दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -251 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, शनिवार, 5 सितंबर, 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका का मोस्ट वांटेड भगोड़ा मंजीत जालंधर में गिरफ्तार, करोड़ों की धोखाधड़ी कर आया था भारत

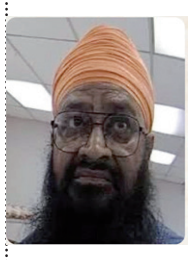

जालंधर, एजेंसी | अमेरिका में सरकारी खाद्य सहायता योजना में कथित करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के मामले में वांछित और अमेरिकी जांच एजेंसियों की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल मंजीत सिंह बेदी को जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगठित अपराध और भगोड़ों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान हुई इस कार्रवाई ने उस पूरी कहानी को फिर सामने ला दिया है, जिसकी शुरुआत अमेरिका के वाशिंगटन राज्य के ताकोमा से हुई थी और जो कनाडा होते हुए पंजाब के जालंधर तक पहुंची।

मंजीत सिंह बेदी ताकोमा में 'एशियन ग्रॉसरी स्टोर' नाम से किराना दुकान चलाता था और अमेरिकी सरकार की 'सप्लीमेंटल न्यूट्रिशन असिस्टेंस प्रोग्राम' यानी एसएनएपी योजना से जुड़े लाभार्थियों को राशन उपलब्ध करवाता था। आरोप है कि उसने जरूरतमंद लोगों के ईबीटी कार्ड से सामान की खरीदारी करने के बजाय कार्ड स्वाइप कर उन्हें नकद रकम देना शुरू कर दिया और बदले में उस रकम का 50 प्रतिशत अपने पास रखता था। अमेरिकी जांच एजेंसियों के मुताबिक मार्च 2024 से जून 2025 के बीच की गई इस कथित धोखाधड़ी से अमेरिकी सरकार को कम से कम 6 लाख डॉलर यानी करीब 5.3 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

मामला सामने आने के बाद बेदी के खिलाफ वायर फ्रॉड और एसएनएपी लाभ धोखाधड़ी के आरोपों में कार्रवाई शुरू हुई। अदालत ने उसे तत्काल गिरफ्तार करने के बजाय कुछ शर्तों के साथ पेश होने की अनुमति दी थी।

फर्जी आईएएस तृप्ति ने रील वाली युवतियों को भी नहीं छोड़ा! नौकरी का झांसा देकर 6 लाख ठगने का आरोप

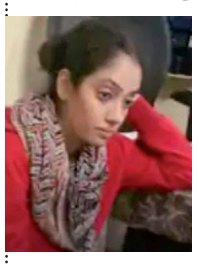

भोपाल | भोपाल की कथित फर्जी आईएएस तृप्ति सिंह पर ठगी के मामलों की जांच के बीच नया आरोप सामने आया है। विधानसभा में उसके साथ रील में दिखीं दो युवतियों ने सरकारी नौकरी और आईएएस बनाने का झांसा देकर तीन-तीन लाख रुपये लेने का आरोप लगाया है।

राजधानी भोपाल की रहने वाली फर्जी आईएएस तृप्ति सिंह पर अब तक चार मामले दर्ज हो चुके हैं। दो मामले अशोकनगर और चंदेरी में दर्ज हैं, जबकि पर्यटन विभाग के होटल-रेस्टोरेंट लीज पर दिलाने के नाम पर ठगी के दो मामले भोपाल में दर्ज हो चुके हैं। पुलिस की जांच के बीच एक और बड़ा खुलासा हुआ है।

आरोप है कि फर्जी आईएएस तृप्ति सिंह ने मध्य प्रदेश विधानसभा परिसर में जिन दो युवतियों के साथ रील बनाकर खुद को आईएएस बता रही थी, रील में दिख रही उन दोनों युवतियों को भी सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर तीन-तीन लाख रुपये, यानी कुल छह लाख रुपये ठगे। तृप्ति का कारनामा सामने आने के बाद दोनों युवतियों ने भी ठगी की शिकायत की है। युवतियों ने भोपाल पुलिस को बताया कि तृप्ति ने उन्हें भी आईएएस अधिकारी बनाने का सपना दिखाया और सरकारी नौकरी लगवाने के बदले तीन-तीन लाख रुपये ले लिए।

भदभदा का गेट खुला: बड़ा तालाब छलका, भोपाल में सुबह से बारिश का दौर, शाम 6 बजे शुरू हुई पानी की निकासी

भोपाल | भोपाल में शुक्रवार को सुबह से लगातार हो रही बारिश के बीच बड़ा तालाब लबालब हो गया। जलस्तर पूर्ण भराव स्तर पर पहुंचने के बाद शाम करीब 6 बजे महापौर मालती राय ने पूजा-अर्चना कर भदभदा बांध का गेट नंबर-6 खोला। इस दौरान एमआईसी सदस्य रवींद्र यति और नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन मौजूद रहीं।

राजधानी भोपाल में शुक्रवार को सुबह से जारी बारिश के चलते बड़े तालाब में पानी की लगातार आवक हुई। जलस्तर पूर्ण भराव स्तर तक पहुंचने के बाद अतिरिक्त पानी की निकासी शुरू कर दी गई। शाम करीब 6 बजे महापौर मालती राय ने पूजा-अर्चना के बाद भदभदा बांध का गेट नंबर-6 खोला। गेट खोलने के दौरान एमआईसी सदस्य रवींद्र यति और नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन समेत नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

एक दिन पहले सिर्फ 0.30 फीट नीचे था जलस्तर

गुरुवार को बड़े तालाब का जलस्तर 1666.50 फीट दर्ज किया गया था, जबकि पूर्ण भराव स्तर 1666.80 फीट है। यानी फुल टैंक लेवल तक पहुंचने में महज 0.30 फीट पानी की जरूरत थी। शुक्रवार को लगातार बारिश के बाद तालाब लबालब हो गया। बड़े तालाब में पानी बढ़ने के साथ भदभदा बांध से अतिरिक्त पानी की निकासी की गई। यहां से निकलने वाला पानी आगे कलियासोत की ओर जाता है।

सुबह से बारिश, शहर में बढ़ी ठंडक

भोपाल में शुक्रवार सुबह से रुक-रुककर और कई इलाकों में लगातार बारिश होती रही। बारिश के कारण शहर के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने राजधानी समेत प्रदेश के कई हिस्सों में अगले 24 घंटे के दौरान बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है।

बड़े तालाब के भरने से जल संकट की चिंता कम

बड़े तालाब का लबालब होना भोपाल की पेयजल व्यवस्था के लिए राहत की खबर है। यह शहर के प्रमुख जलस्रोतों में शामिल है।

मानसून के दौरान तालाब के भरने के बाद अब अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए भदभदा के गेट खोले जा रहे हैं।

बाणसागर डैम का जलस्तर बढ़ा, खुले गेट; ड्रोन कैमरे में कैद हुआ मनमोहक नजारा

मैहर, एजेंसी | लगातार बारिश के बीच बाणसागर डैम का जलस्तर बढ़ने पर गेट खोलकर सोन नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। ड्रोन कैमरे से रिकॉर्ड किए गए बांध के मनमोहक दृश्य का वीडियो वायरल हो रहा है। वहीं, सोन नदी के किनारे और निचले इलाकों में प्रशासन ने अलर्ट बढ़ाते हुए लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। लगातार हो रही बारिश के बीच बाणसागर डैम का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ा है। जलस्तर अधिकतम भराव क्षमता के करीब पहुंचने के बाद बांध के गेट खोले गए हैं। गेट खुलने के बाद बांध से पानी सोन नदी में छोड़ा जा रहा है। हालात को देखते हुए नदी के किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की गई है। बाणसागर डैम के गेट खुलने के बाद का मनमोहक दृश्य ड्रोन कैमरे में रिकॉर्ड किया गया, जिसमें बांध के स्पिलवे से तेजी से बहता पानी और आसपास का प्राकृतिक नजारा बेहद आकर्षक दिखाई दे रहा है। डैम से पानी छोड़े जाने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

लगातार बारिश के कारण बाणसागर बांध में पानी की आवक बढ़ी है। इसी वजह से अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए बांध के रेडियल गेट खोले गए हैं।

भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं कष्ट सहे, लेकिन दूसरों के लिए प्रशस्त किया सुख-समृद्धि का रास्ता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के नाम से भारत की पहचान दुनियाभर में बनी है। उन्होंने सृष्टि का उद्धार करने के लिए पृथ्वी पर मानव रूप में जन्म लिया। अपने जीवन में अनेकों कष्ट सहे और दुष्टों का संहार कर जनता के लिए सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया। भगवान श्रीकृष्ण ने कारागार में जन्म लेने के बाद अपनी बाल्यकाल की लीलाओं से आमजन के कई कष्टों को मुस्कुराते हुए दूर किया। उन्होंने विश्व को संदेश दिया कि हमें मुश्किल परिस्थितियों में धैर्य और संयम से काम लेना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने हमें कष्टों को दूर कर मार्ग निकालने की प्रेरणा दी है। उज्जैन में महर्षि सांदीपनि के आश्रम में श्रीकृष्ण ने 64 कला और 14 विद्याएं सीखीं। श्रीकृष्ण के जीवन से हम सभी के लिए शिक्षा का महत्व प्रतिपादित होता है। सांदीपनि आश्रम में सुदामा जी के साथ उनकी मित्रता के प्रसंग हर काल में प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आख्यान पर्व के अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल्य स्वरूप लड्डू गोपाल का जलाभिषेक कर विधिवत पूजन-अर्चन किया। मुख्यमंत्री ने माखन और मिसरी से भरी मटकी फोड़कर राधारानी और बाल गोपाल की वेशभूषा में आए नौनिहालों को माखन खिलाया और उपहार देकर दुलार किया।

गांजा पीकर विमान उड़ाने पर गिरी गाज: एअर इंडिया ने पायलट को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली, एजेंसी| एअर इंडिया ने फुकेत-दिल्ली फ्लाइट AI-2379 के पायलट-इन-कमांड को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। कार्रवाई ड्रग टेस्ट में साइकोएक्टिव पदार्थ का नतीजा पॉजिटिव आने के बाद हुई। कंपनी ने इसे सुरक्षा नियमों और नियामकीय जरूरतों के मामले में अपनी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लिया है। एअर इंडिया ने एक्स पर बताया कि पायलट का साइकोएक्टिव पदार्थ टेस्ट पॉजिटिव आया था। इसके बाद उसकी नौकरी तत्काल प्रभाव से खत्म कर दी गई। एअर इंडिया के मुताबिक सुरक्षा, फिटनेस और नियामकीय जरूरतों के उल्लंघन पर उसकी जीरो टॉलरेंस नीति है। इसी के तहत पायलट पर तत्काल कार्रवाई की गई।

चार अगस्त 2026 को एअर इंडिया की फ्लाइट AI-2379 फुकेत से दिल्ली आ रही थी। एयरबस A320neo में 137 यात्री थे। इनमें तीन बच्चे भी शामिल थे। विमान में छह केबिन क्रू और दो पायलट थे। विमान करीब 36 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। तभी कुछ ही सेकंड में उसके तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम एक के बाद एक फेल हो गए। इसके बाद ऑटोपायलट बंद हो गया। करीब दो सेकंड तक स्टॉल वॉर्निंग भी सुनाई दी।

मराठा बनाम ओबीसी की लड़ाई तेज: आरक्षण के मुद्दे पर आमने-सामने भुजबल और जारांगे; एक-दूसरे पर साधा निशाना

मुंबई, एजेंसी | महाराष्ट्र में आरक्षण को लेकर चल रही राजनीतिक खींचतान शुक्रवार को और तेज हो गई। वरिष्ठ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) नेता और महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल ने अपनी ही महायुति सरकार को अन्य पिछड़ा वर्ग के कोटे में किसी भी तरह के हस्तक्षेप के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी। उनके इस तीखे बयान पर मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जारांगे पाटिल ने भी तत्काल और जोरदार पलटवार किया। दोनों नेताओं के बीच जुबानी जंग ने सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के भीतर चल रहे मतभेदों को एक बार फिर उजागर कर दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मंत्री छगन भुजबल ने अंतरवाली सराटी में मनोज जारांगे पाटिल के भूख हड़ताल स्थल का दौरा करने वाले राज्य के मंत्रियों और विधायकों पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जारांगे पाटिल की मांगों को पूरा करने में जरूरत से ज्यादा जल्दबाजी दिखा रही है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: सात राज्यों में 62 साल होगी जजों की रिटायरमेंट उम्र

नई दिल्ली, एजेंसी | सुप्रीम कोर्ट ने जिला न्यायपालिका के अधिकारियों की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ाने को लेकर बड़ा निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने सात राज्यों को न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने का आदेश दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने यह निर्देश दिया। शीर्ष अदालत का कहना है कि अनुभवी न्यायिक अधिकारियों को सिस्टम में बनाए रखना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और मध्य प्रदेश को अपने सेवा नियमों में बदलाव करना होगा। महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी सेवानिवृत्ति उम्र 62 साल करनी होगी। इन राज्यों को सेवा नियमों में संशोधन करने के लिए शीर्ष अदालत ने कहा है कि यह काम जल्द से जल्द किया जाए। कोर्ट ने इसे अधिमानतः दो महीने के भीतर पूरा करने को कहा है।

नेपाल की अंधेरी सुरंग में 9 दिनों तक मौत से जंग... 'हरे कृष्ण' जाप से बची जान, जन्माष्टमी पर मिला संजय साह को नया जीवन

नई दिल्ली, एजेंसी | नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के नौ दिन बाद त्रिशूली 3A हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग से सुरक्षित बाहर निकाले गए कर्मचारी संजय साह ने अपनी आपबीती सुनाते हुए इसे भगवान का चमत्कार बताया है। नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (NEA) के 30 वर्षीय कर्मचारी संजय साह ने बताया कि जब टनल के भीतर मौत मंडरा रही थी, तब उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और लगातार नौ दिनों तक 'हरे कृष्ण महामंत्र' का जाप करते रहे। इत्तेफाक से जिस दिन उन्हें सुरक्षित निकाला गया, उस दिन श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व भी था।

चमत्कारिक रूप से बचाए जाने के बाद शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए साह ने कहा कि हादसे के बाद जब दूसरे लोग भाग गए, तो वह टनल के अंदर ही रुके रहे और लगातार नौ दिनों तक 'हरे कृष्ण' मंत्र का जाप करते रहे। न्यूज़ एजेंसी PTI के अनुसार, उन्होंने कहा, 'मैं पिछले नौ दिनों से हरे कृष्ण महामंत्र का जाप कर रहा था।'

मौके पर शुरुआती मेडिकल मदद मिलने के बाद साह को त्रिशूली के एक अस्पताल ले जाया गया। अभी उनकी हालत स्थिर है और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं है।

साह को 45 साल के कबीर महर्जन के साथ बचाया गया था। महर्जन को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के कारण काठमांडू के छाउनी स्थित नेपाल आर्मी हॉस्पिटल एयरलिफ्ट किया गया है। साह ने बताया कि जब हादसा हुआ, तो वह कंट्रोल रूम के अंदर थे।

साह ने कहा, 'मैं कंट्रोल रूम में काम कर रहा था। मेरी ज़िम्मेदारी सबकी जान बचाना थी।' उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने दूसरों से वहाँ से निकलने के लिए कहा था।

नंदगांव में आज मनेगी जन्माष्टमी; बधाई देने बरसाना से आएंगे ग्वाल

मथुरा, एजेंसी | मथुरा में शुक्रवार रात जन्माष्टमी का उल्लास चरम पर था तो कान्हा की क्रीड़ा स्थली नंदगांव भी अपने लाला के जन्म के लिए तैयार है। शनिवार को नंदगांव में जन्माष्टमी मनाई जाएगी। नंदीश्वर पहाड़ी स्थित नंदभवन को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। मंदिर परिसर रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से जगमगा रहा है। आधी रात जैसे ही नंदबाबा के घर लाला के जन्म की खबर होगी, पूरा नंदभवन बधाइयों से गूंज उठेगा।

जन्म से पहले नंदबाबा मंदिर में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। रात करीब साढ़े आठ बजे भजन संध्या शुरू होगी। इसके बाद ब्रज की प्रसिद्ध ढांढ-ढांढिन लीला का आयोजन होगा। लीला के माध्यम से नंदबाबा के घर आने वाली खुशियों और बधाइयों का माहौल जीवंत किया जाएगा। श्रद्धालु देर रात तक भक्ति और ब्रज संस्कृति के इस अनूठे संगम के साक्षी बनेंगे। मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण जन्म के दर्शन होंगे। जन्म के बाद परंपरागत विधि-विधान के साथ सवा मन पंचामृत सामग्री से कान्हा का अभिषेक किया जाएगा। इस दौरान नंदभवन में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है।

नंदोत्सव से पहले शनिवार को बरसाना के ग्वाल नंदगांव पहुंचेंगे। यहां नंदगांव के ग्वालों के साथ मिलकर समाज गायन के माध्यम से नंदबाबा और यशोदा मैया को लाला के जन्म की बधाई दी जाएगी।

पकड़ा गया स्वतंत्र भारद्वाज: दिल्ली पुलिस ने बुलंदशहर से किया गिरफ्तार, पकड़ने के लिए बनाया था खास प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी | दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रा नीशु आजाद के पिता से मारपीट करने वाले आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को बुलंदशहर से हिरासत में ले लिया है। पुलिस को उसके बुलंदशहर में होने की इनपुट मिले थे इसके बाद दिल्ली पुलिस की एक टीम ने उसे पकड़ने के लिए खास प्लान बनाया और सभी लोग सादे कपड़ों में पहुंचे और उसे दबोच लिया। इससे पहले ये खबर भी आ रही थी कि स्वंत्रत भारद्वाज मौके से फरार हो गया है। उसके हेलमेट पहनकर बाइक से भागने की खबर आ रही थी।

इससे पहले निशु आजाद के पिता के साथ मारपीट मामले में पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर शुक्रवार को दिनभर गहमागहमी रही। इस मामले में पीड़िता निशु आजाद, उनके पिता संजय आजाद, आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद, सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास, आशुतोष रांका और वकील ऋषभ रंजन ने मीडिया से बात की और पुलिस से हुई बातचीत की जानकारी दी।

सीजेपी कार्यकर्ता निशु आजाद ने कहा कि पिछले कई दिनों से आरोपी के समर्थक उन्हें गालियां दे रहे थे और रेप की धमकियां दे रहे थे। निशु ने कहा कि सच बताऊं तो इतने दिनों से जो लोग मुझे गालियां दे रहे थे और रेप की धमकियां दे रहे थे। मैंने उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई है। अब उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है और मुझे उम्मीद है कि पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी।

उन्होंने कहा कि इन धमकियों की वजह से उनकी जिंदगी पर गहरा असर पड़ा है। जिस तरह से ये लोग मुझे गालियां दे रहे थे, रेप की धमकियां दे रहे थे और मेरे अश्लील स्टिकर बना रहे थे, उसकी वजह से मुझे घर से बाहर निकलने में भी शर्म आ रही थी। इस घटना की वजह से डर के चलते मैं दो-तीन हफ्ते कॉलेज नहीं गई। और अब जब जाती हूं तो लगता है कि सब मुझे जज कर रहे हैं, बहुत बुरा लगता है।

संक्षिप्त समाचार

जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों को 7-7 साल की जेल

सागर में हत्या के प्रयास हुआ था केस, दो युवकों पर किया था चाकू से हमला

सागर,एजेंसी। सागर हत्या के प्रयास के मामले में अदालत ने दो आरोपियों को दोषी ठहराया है। कोर्ट ने नसीम खान और सईम खान को 7-7 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। दोनों पर 5-5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। अभियोजन के अनुसार, रविवार 15 फरवरी 2025 की रात गोपालगंज क्षेत्र की हरदास लंबरदार वाली गली में नसीम खान और सईम खान ने आम रास्ते पर अश्लील गालियां देकर विवाद किया। विवाद बढ़ने पर दोनों ने एकराय होकर रिजवान और नवाजिश पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में नसीम खान ने रिजवान और सईम खान ने नवाजिश को गंभीर रूप से घायल कर दिया। मामले में गोपालगंज थाना पुलिस ने 16 फरवरी 2025 को केस दर्ज किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए।

साक्ष्यों के आधार पर दोषी करार: जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन ने मामले से जुड़े साक्ष्य और दस्तावेज अदालत में पेश किए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने नसीम खान और सईम खान को दोषी माना। अदालत ने दोनों आरोपियों को 7-7 साल के सश्रम कारावास और 5-5 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

जंगली सूअरों ने मक्के की फसल रौंदी

किसानों ने तहसीलदार को दिया ज्ञापन; फसल नुकसान का मुआवजा-सर्वे कराने की मांग

सिवनी मालवा,एजेंसी। सिवनी मालवा तहसील क्षेत्र के कांसखेड़ी गांव के किसानों ने बताया कि खेतों में मक्के की फसल तैयार हो रही है। इसी दौरान जंगली सूअरों के झुंड लगातार खेतों में पहुंचकर खड़ी फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

खाद-बीज और दवाइयों पर हुआ खर्च: किसानों का कहना है कि मक्के की फसल तैयार करने में खाद, बीज, दवाई और अन्य कृषि कार्यों पर काफी लागत आई है। यदि जंगली सूअर इसी तरह फसल को बर्बाद करते रहे तो किसानों के लिए लागत निकालना भी मुश्किल हो जाएगा।

सर्वे कराकर उचित मुआवजे की मांग: किसानों ने तहसीलदार के नाम नायब तहसीलदार आलोक भद्र को ज्ञापन सौंपकर प्रभावित खेतों का जल्द सर्वे कराने की मांग की है। किसानों ने कहा कि नुकसान का आकलन कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। साथ ही जंगली जानवरों से फसल बचाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं।

औद्योगिक विभाग की भूमि का सीमांकन

विदिशा ,एजेंसी। जिले में शासकीय भूमि के सीमांकन एवं अभिलेखों के अनुसार भूमि की स्थिति स्पष्ट करने की कार्रवाई लगातार की जा रही है। इसी क्रम में राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में ग्राम धनोरा हवेली में औद्योगिक विभाग के स्वामित्व वाली भूमि का विधिवत सीमांकन कराया गया। सीमांकन की कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों की मौजूदगी में भूमि के उपलब्ध राजस्व अभिलेखों, नक्शों एवं मौके की स्थिति का मिलान किया गया। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत भूमि की सीमाओं का चिन्हांकन किया गया, जिससे औद्योगिक विभाग की भूमि की वास्तविक स्थिति एवं सीमा स्पष्ट हो सके। अधिकारियों द्वारा मौके पर भूमि की स्थिति का निरीक्षण करते हुए सीमांकन से संबंधित आवश्यक जानकारी भी दर्ज की गई। सीमांकन की इस कार्रवाई से औद्योगिक विभाग की भूमि की पहचान और सीमा निर्धारण को लेकर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। साथ ही शासकीय भूमि के संरक्षण और उसके समुचित उपयोग की दिशा में भी यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मंदसौर में 21.47 लाख की ड्रग्स पकड़ी

अपाचे बाइक और 190 ग्राम एमडी और 3.6 किलो डोडाचूरा जब्त, राजस्थान का सप्लायर फरार

मंदसौर,एजेंसी। मंदसौर की नई आबादी थाना पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। दोनों अपाचे बाइक से एमडी ड्रग्स और डोडाचूरा लेकर मंदसौर से सीतामऊ की ओर जा रहे थे। मंगलवार शाम पुलिस ने नाकाबंदी कर दोनों को रोका और तलाशी ली।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 190 ग्राम एमडी ड्रग्स, 3.6 किलो डोडाचूरा, दो आईफोन और एक सैमसंग मोबाइल जब्त किया है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 21 लाख 47 हजार रुपए बताई गई है।

लाभमुनि अस्पताल के पास नाकाबंदी कर पकड़ा: पुलिस के अनुसार, 1 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो युवक बाइक से मादक पदार्थ लेकर मंदसौर से सीतामऊ की ओर जाने वाले हैं। सूचना के बाद थाना प्रभारी कुलदीप सिंह राठौर के नेतृत्व में टीम बनाई गई।

पुलिस टीम ने लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय के पास मंदसौर-सीतामऊ रोड पर नाकाबंदी की। इसी दौरान काले रंग की टीवीएस अपाचे बाइक पर दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोककर तलाशी ली। दोनों के बीच रखे बैग की जांच करने पर उसमें एमडी ड्रग्स और डोडाचूरा मिला। पुलिस ने नयापुरा मंदसौर निवासी नाजिश (19) और शाहरुख (28) को गिरफ्तार कर लिया।

190 ग्राम एमडी और 3.6 किलो डोडाचूरा मिला: पुलिस के अनुसार, आरोपियों से 190 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली। इसकी कीमत करीब 19 लाख रुपए बताई गई है। इसके अलावा 3.6 किलो डोडाचूरा जब्त किया गया, जिसकी कीमत करीब 7 हजार रुपए है। टीवीएस अपाचे बाइक की कीमत करीब 70 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने दो एप्पल और एक सैमसंग मोबाइल भी जब्त किए हैं। इनकी कीमत करीब 1.70 लाख रुपए आंकी गई है।

राजस्थान से लाने की बात कही: पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे मादक पदार्थ राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के हतुनिया निवासी अय्यूब पठान से लेकर आए थे। पुलिस ने अय्यूब पठान को मामले में फरार आरोपी बनाया है और उसकी तलाश की जा रही है। नई आबादी थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 150/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15, 22 और 29 में केस दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी महंगे शौक पूरे करने के लिए मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल हुए थे। इनमें से शाहरुख एयरटेल कंपनी में काम करता है। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह राठौर ने बताया कि मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

रतलाम में ऑनलाइन वॉच सेलिंग करने के नाम पर ठगी

टेलीग्राम पर मैसेज भेज अलग-अलग खातों में जमा कराए 6.43 लाख, हरिद्वार व कोटा से दो ठग गिरफ्तार

रतलाम,एजेंसी। रतलाम में टेलीग्राम पर ऑनलाइन घड़ियां बेचकर डबल मुनाफा कमाने का लालच देकर 6.43 लाख रुपए की साइबर ठगी करने वाले दो आरोपियों को जावरा पुलिस ने साइबर सेल की मदद से गिरफ्तार किया है। एक आरोपी को हरिद्वार और दूसरे को राजस्थान के कोटा से पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 28 हजार रुपए नकद और मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

टेलीग्राम पर भेजा मैसेज, ऑनलाइन काम का दिया झांसा: औद्योगिक क्षेत्र जावरा थाने में दर्ज मामले के अनुसार 29 दिसंबर 2025 को फरियादी के टेलीग्राम पर मैसेज आया था। इसमें ऑनलाइन घड़ियां सेल करने का काम बताकर मुनाफा कमाने का झांसा दिया गया। फरियादी मजदूरी करता था और आरोपियों की बातों में आ गया। आरोपियों ने उसे एक वेबसाइट का लिंक, आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराया। शुरुआत में रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर 10 हजार रुपए जमा कराए गए। इसके बाद फरियादी को ऑनलाइन घड़ियां बेचने पर मुनाफे की राशि मिलने की जानकारी दी गई। खाते में रकम आने की बात से उसका आरोपियों पर भरोसा बढ़ गया।

अलग-अलग खातों में जमा कराए 6.43 लाख: इसके बाद आरोपियों ने अलग-अलग बैंक खातों में रकम जमा करने पर दोगुना मुनाफा देने का लालच दिया। फरियादी ने आरोपियों के बताए खातों में कई ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 6 लाख 43 हजार 285 रुपए जमा कर दिए। रकम जमा करने के बाद आरोपियों ने न तो मुनाफे की राशि दी और न ही मूल रकम वापस की। ठगी का अहसास होने पर फरियादी ने औद्योगिक क्षेत्र जावरा थाने में शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

बैंकिंग और डिजिटल साक्ष्यों से आरोपियों तक पहुंची पुलिस: जावरा पुलिस और रतलाम साइबर सेल की संयुक्त टीम ने बैंक खातों में हुए लेन-देन, डिजिटल जानकारी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। इसके आधार पर आरोपियों के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई गई। पुलिस टीम ने अश्वनी अरोरा (निवासी हरिद्वार) को हरिद्वार से और अनिमेष जैन (निवासी बारां, राजस्थान) को कोटा से गिरफ्तार किया। पुलिस अब आरोपियों से ठगी में इस्तेमाल बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, अन्य सहयोगियों और ठगी की रकम के लेन-देन के संबंध में पूछताछ कर रही है। साथ ही रकम की रिकवरी और अन्य आरोपियों की तलाश के प्रयास जारी हैं।

साइबर ठगी के मामलों में 1.30 करोड़ से अधिक पर कार्रवाई : रतलाम साइबर सेल ने अगस्त 2026 तक साइबर अपराध से जुड़े 89 कोर्ट ऑर्डर के तहत 1.30 करोड़ रुपए से अधिक की राशि के संबंध में कार्रवाई की है। इनमें 49 साइबर शिकायतों में 37.06 लाख रुपए से अधिक की राशि पीड़ितों को रिफंड कराई जा चुकी है।

जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का हुआ निराकरण

रायसेन,एजेंसी। प्रति मंगलवार की भांति कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा आमजन की समस्याओं की सुनवाई कर उनका निराकरण किया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जनसुनवाई में आए आवेदकों से उनकी समस्याओं पर गंभीरतापूर्वक चर्चा करते हुए निराकरण किया। कुछ प्रकरणों में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक शीघ्रता से निराकरण किया जाए। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय तथा जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

मंदसौर में रिहायशी इलाके में घुसा 4 फीट का मगरमच्छ

ग्रामीणों ने रस्सी से पकड़ा और शिवना नदी में छोड़ा, वन विभाग ने दी सावधानी की सलाह

मंदसौर,एजेंसी। मंदसौर नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के रतन पिपलिया गांव में मंगलवार रात करीब 10:30 बजे एक मगरमच्छ का बच्चा रिहायशी इलाके में पहुंच गया। करीब 3 से 4 फीट लंबे मगरमच्छ को देखकर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोगों ने सावधानी बरतते हुए उसे रस्सी की मदद से पकड़ा और पास की शिवना नदी में छोड़ दिया।

मौके पर जुटी ग्रामीणों की भीड़: रिहायशी इलाके में मगरमच्छ दिखाई देने से कुछ देर के लिए लोगों में घबराहट की स्थिति रही। हालांकि, ग्रामीणों ने मिलकर उसे काबू में कर लिया। इस दौरान वन विभाग को सूचना नहीं दी गई और ग्रामीणों ने खुद ही मगरमच्छ को पकड़कर नदी में छोड़ दिया।

वन विभाग बोला- प्रशिक्षित टीम से कराया जाता है रेस्क्यू: जिला फॉरेस्ट अधिकारी संजय रायखेरे ने बताया कि मगरमच्छ के रेस्क्यू में पूरी सावधानी जरूरी होती है। प्रशिक्षित टीम सबसे पहले उसे चारों तरफ से घेरती है। इसके बाद विशेष स्टिक की मदद से गर्दन को नियंत्रित किया जाता है, ताकि वह हमला न कर सके। फिर उसके मुंह को मजबूत रस्सी से बांधा जाता है और शरीर के अन्य हिस्सों को भी सुरक्षित तरीके से नियंत्रित किया जाता है। इसके बाद मगरमच्छ को रेस्क्यू वाहन में रखकर नदी या बड़े तालाब जैसे सुरक्षित जलस्रोत में छोड़ा जाता है।

बारिश में पानी के साथ रहवासी इलाकों तक पहुंचते हैं: संजय रायखेरे के मुताबिक मल्हारगढ़, नारायणगढ़ और नाहरगढ़ क्षेत्र में नदियों और उनसे जुड़े नालों का जाल है। बारिश के दौरान जलस्तर बढ़ने पर कई बार मगरमच्छ बहकर आबादी वाले क्षेत्रों के आसपास पहुंच जाते हैं। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू करती है। उन्होंने कहा कि यदि आपात स्थिति हो और मगरमच्छ छोटा हो तो ग्रामीणों द्वारा उसे सावधानी से काबू करना अच्छी पहल है, लेकिन खुद जोखिम लेने के बजाय वन विभाग को सूचना देना ज्यादा सुरक्षित है। इससे

सागर में तीन दिन बाद रिमझिम बारिश

अगले 24 घंटे के लिए ऑरेंज अलर्ट, इस सीजन सामान्य से 30 फीसदी कम बारिश

सागर,एजेंसी। सागर जिले में तीन दिनों से बारिश पर लगा ब्रेक बुधवार को खत्म हो गया। वेदर सिस्टम सक्रिय होने से जिले में फिर बारिश शुरू हो गई। सुबह से आसमान में काले-घने बादल छाए रहे। इस दौरान रुक-रुककर बारिश होती रही। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई है। सागर में बुधवार को अधिकतम तापमान 27.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। इस सीजन में अब तक जिले की सामान्य बारिश का 56.8% कोटा पूरा हुआ है। सितंबर बारिश के सीजन का आखिरी महीना है। इस महीने बारिश कमजोर पड़ती है। ऐसे में इस साल जिले की सामान्य बारिश का कोटा पूरा होना मुश्किल माना जा रहा है।

सामान्य बारिश का कोटा पूरा करने 20.8 इंच बारिश जरूरी

इस सीजन में अब तक जिले में 700.1 मिमी यानी 27.6 इंच औसत बारिश हो चुकी है। पिछले साल 2 सितंबर तक 1013.3 मिमी यानी 39.9 इंच बारिश दर्ज हुई थी। इस तरह पिछले साल की तुलना में इस बार अब तक 30.9% कम बारिश हुई है। सागर जिले में सामान्य बारिश 1230.5 मिमी यानी 48.4 इंच है। सामान्य बारिश का कोटा पूरा करने के लिए अब करीब 20.8 इंच औसत बारिश की जरूरत है।

अगले 24 घंटे बारिश की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे जिले में हल्के से मध्यम बादल छाए रहेंगे। कुछ जगहों पर हल्की बारिश या बौछारें पड़ सकती हैं। दिन के अधिकतम तापमान में गिरावट आने से उमस से राहत मिलने की संभावना है। 3 और 4 सितंबर को निम्न दबाव के क्षेत्र का असर मध्य प्रदेश के पूर्वी और मध्य हिस्से तक पहुंच सकता है।

सिरोंज में विद्यार्थियों को दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

एसडीईआरएफ टीम ने सीपीआर, प्राथमिक उपचार, अग्नि सुरक्षा एवं सर्पदंश से बचाव के बताए उपाय

विदिशा,एजेंसी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार तथा डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड, जिला विदिशा श्री मयंक कुमार जैन के नेतृत्व में बुधवार को केडीबीएम इंटरनेशनल स्कूल, सिरोंज में आपदा प्रबंधन जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसडीईआरएफ (स्ष्ठश्वक्रन्न) टीम ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं स्टॉफ को विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से बचाव और आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित व्यवहार की जानकारी दी।

प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को बाढ़, भूकंप, अग्निकांड, आकाशीय बिजली, सर्पदंश सहित अन्य आपदाओं के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षकों ने समझाया कि आपदा की स्थिति में घबराने के बजाय संयम, सतर्कता और सूझबूझ से कार्य करना चाहिए। साथ ही स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ आसपास मौजूद लोगों की सहायता करने के लिए भी विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया।

व्यावहारिक प्रशिक्षण से समझाए बचाव के तरीके: एसडीईआरएफ टीम द्वारा प्रशिक्षण के दौरान सीपीआर (CPR), प्राथमिक उपचार, अग्नि दुर्घटना से बचाव तथा सर्पदंश की स्थिति में आवश्यक सावधानियों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए इम्प्रोवाइज्ड बचाव उपकरण तैयार करने की प्रक्रिया भी विद्यार्थियों को समझाई गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि आपदा के समय शुरुआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे में प्राथमिक उपचार, सीपीआर तथा सुरक्षित बचाव की जानकारी किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। विद्यार्थियों को विभिन्न परिस्थितियों में सही निर्णय लेने और उपलब्ध संसाधनों का सुरक्षित तरीके से उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया।

दामिनी एवं सचेत ऐप के उपयोग की दी जानकारी

कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टॉफ को दामिनी ऐप और सचेत ऐप के महत्व एवं उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। बताया गया कि दामिनी ऐप आकाशीय बिजली एवं वज्रपात से संबंधित पूर्व चेतावनी प्राप्त करने में सहायक है। वहीं सचेत ऐप विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित अलर्ट एवं सुरक्षा दिशा-निर्देश उपलब्ध कराने में उपयोगी है। विद्यार्थियों को इन ऐप्स का उपयोग करने के साथ-साथ अपने परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों को भी इनके प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि आपदा की स्थिति में समय रहते आवश्यक सावधानियां बरती जा सकें।

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लिया प्रशिक्षण

आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उन्होंने प्रशिक्षकों से आपदा के समय अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी प्राप्त की तथा व्यावहारिक प्रदर्शन को ध्यानपूर्वक देखा। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वयं एवं दूसरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुईं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर श्री महेश पटवा ने एसडीईआरएफ टीम द्वारा प्रदान किए गए प्रशिक्षण की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के व्यावहारिक प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। इससे उनमें आपदा के समय सही निर्णय लेने, स्वयं को सुरक्षित रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर दूसरों की सहायता करने का आत्मविश्वास विकसित होता है। उन्होंने एसडीईआरएफ टीम का आभार व्यक्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एसडीईआरएफ टीम के जवान देवेंद्र सिंह परमार, माधव कुशवाह, गौरव रघुवंशी, देवेंद्र किलोरिया, सचिन कुशवाह एवं संदीप ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

भाजपा एससी मोर्चे में 56 नेताओं को मिली जिम्मेदारी

छात्रावास से सोशल मीडिया तक नई टीम

भोपाल। मध्य प्रदेश में भाजपा ने अनुसूचित जाति मोर्चे के संगठन को नए सिरे से सक्रिय करने की कवायद शुरू कर दी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति के बाद एससी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार ने 56 नेताओं को अलग-अलग संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इनमें प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों के साथ संभाग प्रभारी, सोशल मीडिया और मीडिया से जुड़े पदाधिकारी तथा छात्रावास और स्व-सहायता समूहों के प्रभारी शामिल हैं। नई नियुक्तियों को केवल संगठनात्मक फेरबदल के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। जिस तरह अलग-अलग सामाजिक समूहों और जमीनी गतिविधियों को जिम्मेदारियों से जोड़ा गया है, उससे साफ है कि भाजपा अनुसूचित जाति वर्ग के बीच अपनी संगठनात्मक पकड़ को और मजबूत करने की कोशिश में है। जिलों तक पहुंचाने की कोशिश एससी मोर्चे की प्रदेश कार्यसमिति में मुरैना से लेकर नीमच और बड़वानी से लेकर सीधी तक के नेताओं को शामिल किया गया है। ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर और उज्जैन जैसे बड़े संगठनात्मक क्षेत्रों के साथ छोटे जिलों को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है। भोपाल नगर से डॉ. पंकज

कुमार, रायसेन से नेहा आदित्य चावला और जगदीश अहिरवार, विदिशा से सोना सप्रे और राजेश प्रभाकर, सीहोर से रवि नागले तथा राजगढ़ से दिनेश जाटव को प्रदेश कार्यसमिति में जगह दी गई है। मालवा-निमाड़ क्षेत्र में इंदौर नगर से दानवीर नरवले और अर्जुन सावले, इंदौर ग्रामीण से महेश गेहलोत और जितेंद्र जटिया, धार से दिनेश बामनिया, खरगोन से लच्छीराम नागरे, सुंदरलाल वारसे और एनएस सोलंकी तथा बड़वानी से सुखदेव भोसले और किशोर वर्मा को जिम्मेदारी मिली है। उज्जैन संभाग में भी संगठन को मजबूत करने का प्रयास दिखाई देता है। उज्जैन नगर से मनोज मालवीय और प्रकाश गोमे, जबकि उज्जैन ग्रामीण से डॉ. मदन चौहान, प्रकाश जटिया और बबलीलाल मालवीय को प्रदेश कार्यसमिति में शामिल किया गया है। सामाजिक संपर्क पर भी जोर नई टीम की सबसे खास बात यह है कि इसमें केवल राजनीतिक संगठन के पद नहीं हैं। भाजपा ने छात्रावास संपर्क और स्व-सहायता समूहों जैसे क्षेत्रों को भी अलग जिम्मेदारी दी है। छात्रावास संपर्क प्रभारी के रूप में दीपक कुमार भन्नारे को जिम्मेदारी दी गई है। कमलकांत राजोरिया, दुर्गेश (कालू) चौहान, मनीषा मगेश रमपुरिया और सरिता मालवीय को सह-प्रभारी बनाया गया है। इस व्यवस्था के जरिए छात्रावासों और वहां रहने वाले विद्यार्थियों तक संगठन की पहुंच बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। खासतौर पर युवाओं के बीच संगठनात्मक संपर्क को मजबूत करने के लिहाज से यह जिम्मेदारी महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। स्व-सहायता समूहों पर भी नजर स्व-सहायता समूहों के लिए बरखा वर्मा को प्रभारी बनाया गया है।

भोपाल की दो मल्टीलेवल पार्किंग में अब फॉस्टैग

न्यू मार्केट-एमपी नगर में यूपीआई सिस्टम; मोबाइल एप से भी दे सकेंगे शुल्क

भोपाल। भोपाल शहर की दो मल्टी लेवल पार्किंग में अब आप फॉस्टैग के जरिए भी शुल्क दे सकेंगे। इसके अलावा यूपीआई एवं मोबाइल एप आधारित डिजिटल पार्किंग व्यवस्था भी रहेगी। इसी साल 9 जुलाई से शहर की 5 मल्टी लेवल पार्किंग्स में कैशलेस पार्किंग की व्यवस्था प्रारंभ करते हुए पार्किंग शुल्क का नकद भुगतान पूर्णतः प्रतिबंधित किया जा चुका है। स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था के तहत पार्किंग स्थलों के प्रवेश द्वार पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकगनेशन (एएनपीआर) कैमरा वाहन की नंबर प्लेट को स्वतः पहचानकर फॉस्टैग रीडर के माध्यम से वाहन के प्रवेश को डिजिटल रूप में दर्ज करता है। इसके बाद पार्किंग रिकॉर्ड स्वतः जनरेट हो जाता है। इसी तरह वाहन के पार्किंग स्थल के बाहर निकलते समय एएनपीआर कैमरा और फॉस्टैग आधारित सिस्टम से वाहन की पहचान की जाती है और निर्धारित पार्किंग शुल्क फॉस्टैग के माध्यम से डिजिटली संधारित किया जाता है। इस तरह भुगतान प्रक्रिया पूर्ण होने पर वाहन बिना आवश्यक मैन्यूअल पार्किंग स्थल से बाहर निकलते हैं। नई व्यवस्था से जल्दी आ-जा सकेंगे वाहन नई व्यवस्था

से पार्किंग स्थल पर आने वाले वाहन के प्रवेश एवं निकास की प्रक्रिया अधिक तेज और सुव्यवस्थित होती है और नागरिकों को अनावश्यक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती। पार्किंग स्थलों पर फॉस्टैग के माध्यम से भुगतान को प्राथमिकता दी जा रही है। यदि किसी कारण से किसी वाहन में फॉस्ट टैग कार्य नहीं करता तो वाहन चालक के लिए क्यूआर कोड एवं यूपीआई आधारित भुगतान की वैकल्पिक सुविधा भी उपलब्ध है। उपरोक्त स्थितियों के अतिरिक्त आवश्यकता पडने पर नकद भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है।

अब खुद से ही एग्रीमेंट नहीं कर पाएंगे जीआरएस

23 हजार पंचायतों के रोजगार सहायकों पर नया नियम

भोपाल। मध्य प्रदेश की ग्राम पंचायतों में काम कर रहे 23 हजार से ज्यादा ग्राम रोजगार सहायकों (जीआरएस) के संविदा अनुबंध को लेकर सरकार ने अहम बदलाव किया है। अब ग्राम पंचायत में पंचायत सचिव नहीं है, सचिव का पद रिक्त है या ग्राम रोजगार सहायक को ही सचिव का प्रभार दिया गया है, तो वह अपने संविदा अनुबंध पर खुद हस्ताक्षर नहीं कर सकेगा। ऐसी पंचायतों में अब जनपद पंचायत स्तर का अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (एपीओ), मनरेगा ग्राम रोजगार सहायक के साथ संविदा एग्रीमेंट करेगा। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद के सीईओ ने 1 सितंबर को इस संबंध में आदेश जारी कर सभी कलेक्टरों, जिला कार्यक्रम समन्वयकों

और जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को नए प्रावधान का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अब तक व्यवस्था यह थी कि ग्राम रोजगार सहायक का संविदा अनुबंध ग्राम पंचायत सचिव और जीआरएस के बीच किया जाता था। लेकिन प्रदेश की कई पंचायतों में सचिव के पद रिक्त होने या सचिव के उपलब्ध नहीं होने के कारण जीआरएस को ही सचिव का अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया। यहीं से प्रशासनिक पेंच खड़ा हुआ। एक तरफ कर्मचारी ग्राम रोजगार सहायक के पद पर संविदा पर काम कर रहा था, वहीं दूसरी तरफ उसे सचिव की जिम्मेदारी भी मिल गई।

अब पंचायत नहीं, जनपद स्तर पर होगा एग्रीमेंट

नए प्रावधान में स्थिति को तीन हिस्सों में स्पष्ट किया गया है। पहली स्थिति यदि ग्राम पंचायत में पंचायत सचिव पदस्थ है, तो पहले की तरह सचिव और ग्राम रोजगार सहायक के बीच ही संविदा अनुबंध होगा। दूसरी स्थिति यदि पंचायत सचिव का पद रिक्त है या सचिव उपलब्ध नहीं है, तो एग्रीमेंट जनपद पंचायत में पदस्थ अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा करेगा। तीसरी स्थिति यदि ग्राम रोजगार सहायक को ही पंचायत सचिव का प्रभार दिया गया है, तब भी वह अपने संविदा अनुबंध की कार्रवाई खुद नहीं कर सकेगा। ऐसी स्थिति में एपीओ मनरेगा अनुबंध करेगा। यदि किसी जनपद पंचायत में भी एपीओ का पद खाली है, तो वहां पदस्थ प्रभारी अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी एग्रीमेंट की प्रक्रिया पूरी करेगा।

नवीनीकरण में भी यही व्यवस्था लागू

यह बदलाव केवल नए संविदा अनुबंध तक सीमित नहीं रहेगा। ग्राम रोजगार सहायकों के अनुबंध के नवीनीकरण की स्थिति में भी यही व्यवस्था लागू होगी। इसका मतलब है कि सचिव विहीन पंचायतों में जीआरएस को अपने अनुबंध से संबंधित प्रक्रिया के लिए अब जनपद पंचायत स्तर पर जाना होगा। इससे अनुबंध प्रक्रिया में जिम्मेदारी स्पष्ट होगी और अधिकारी-कर्मचारी की भूमिकाओं को लेकर भ्रम की स्थिति खत्म होगी।

प्रशासनिक और कानूनी सवालों से बचने की कोशिश

किसी कर्मचारी का अपने ही साथ संविदा अनुबंध करना केवल तकनीकी खामी नहीं थी। इससे प्रशासनिक पारदर्शिता और वैधानिक प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े हो सकते थे। एक ही व्यक्ति अगर अनुबंधकर्ता और संविदाकर्मी दोनों की भूमिका निभाए, तो दस्तावेज की वैधता, जवाबदेही और प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर विवाद पैदा होने की आशंका रहती है।

2031 तक बाकी पानी इस्तेमाल करने के लिए 40 परियोजनाओं पर तेज हुआ काम

47 साल में आधा नर्मदा जल ही इस्तेमाल कर पाया मप्र, अब 5 साल में पूरी हिस्सेदारी खपाने की चुनौती

भोपाल। मध्य प्रदेश को नर्मदा के पानी में उसका हिस्सा मिले 47 साल बीत चुके हैं, लेकिन राज्य अब तक अपने पूरे आवंटित जल का इस्तेमाल नहीं कर पाया है। वर्ष 1979 में नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण के फैसले के बाद मध्य प्रदेश को 18.25 मिलियन एकड़-फीट (एमएएफ) पानी आवंटित हुआ था। इसके बावजूद अभी करीब 10 एमएएफ पानी का ही उपयोग हो पा रहा है। यानी राज्य के हिस्से का बड़ा हिस्सा अब भी पूरी तरह इस्तेमाल में नहीं आ सका है। अब सरकार ने इस पुराने अंतर को खत्म करने के लिए वर्ष 2031 की समयसीमा तय की है। इसके लिए करीब 40 परियोजनाओं पर काम तेज किया गया है। इनमें 36 परियोजनाओं की लागत 20 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा है। दावा है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद नर्मदा के हिस्से के शेष पानी को सिंचाई और अन्य उपयोगों में लाया जा सकेगा। नर्मदा जल बंटवारे का फैसला 1979 में हुआ था। उस समय नर्मदा के 28 एमएएफ उपयोग योग्य पानी का चार राज्यों के बीच बंटवारा किया गया था। मध्य प्रदेश को सबसे बड़ा हिस्सा 18.25 एमएएफ मिला।

गुजरात को 9 एमएएफ, राजस्थान को 0.50 एमएएफ और महाराष्ट्र को 0.25 एमएएफ आवंटित किया गया था। मध्य प्रदेश के पास सबसे बड़ा हिस्सा होने के बावजूद चार दशक से ज्यादा समय बाद भी करीब 10 एमएएफ पानी का ही उपयोग हो पा रहा है। अब सरकार जिस रफ्तार से परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की बात कर रही है, उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि अगले करीब पांच वर्षों में उस अंतर को कैसे खत्म किया जाए। 40 परियोजनाएं बनीं मिशन 2031 का आधार नर्मदा जल के अधिकतम इस्तेमाल के लिए राज्य में करीब 40 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें से करीब 70 फीसदी परियोजनाओं में काम तेजी से चलने का दावा किया गया है। कई परियोजनाएं 60 से 70 फीसदी तक पूरी हो चुकी हैं, जबकि आठ अन्य परियोजनाओं के टेंडर अगले एक-दो महीने में जारी किए जाने की तैयारी है। नर्मदा घाटी से संबंधित अलग-अलग विभागों की करीब 150 परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इनमें अकेले नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की 72 जल परियोजनाएं शामिल हैं। इनका मकसद सिर्फ सिंचाई क्षेत्र बढ़ाना नहीं, बल्कि राज्य के हिस्से के नर्मदा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना भी है। चार जोन में बंटी पूरी रणनीति सरकार ने नर्मदा से जुड़े काम को चार प्रमुख क्षेत्रों में बांटा है। इनमें अपर नर्मदा जोन, जबलपुर की रानी अवंतीबाई लोधी सागर परियोजना, सनावद की इंदिरा सागर परियोजना और निचली नर्मदा परियोजनाएं शामिल हैं। जहां पारंपरिक ओपन चैनल से पानी पहुंचाना संभव नहीं है, वहां माइक्रो सिंचाई और उद्वहन सिंचाई परियोजनाओं पर जोर दिया जा रहा है। खासकर उन इलाकों तक नर्मदा का पानी पहुंचाने की कोशिश है, जहां अब तक सिंचाई सुविधा सीमित रही है। इंदौर के प्रशासनिक नियंत्रण वाले क्षेत्र में 53 माइक्रो सिंचाई परियोजनाओं में से 24 पूरी हो चुकी हैं। 11 ओपन चैनल परियोजनाएं भी पूरी हो गई हैं, जबकि पांच माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजनाओं पर काम जारी है। इन योजनाओं से करीब 31.75 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा देने का लक्ष्य रखा गया है।

पांच परियोजनाओं पर सबसे ज्यादा नजर

नर्मदा के पानी को नए इलाकों तक पहुंचाने वाली कई बड़ी परियोजनाएं इस अभियान का आधार हैं। अपर नर्मदा बहुउद्देश्यीय परियोजना की अनुमानित लागत करीब 7,500 करोड़ रुपये है और इससे 1.05 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता प्रस्तावित है। राघवपुर बहुउद्देश्यीय परियोजना पर करीब 5,300 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। इससे 68 हजार हेक्टेयर सिंचाई क्षमता विकसित करने का लक्ष्य है। बसानिया बहुउद्देश्यीय परियोजना की लागत करीब 3,900 करोड़ रुपये और प्रस्तावित सिंचाई क्षमता 47 हजार हेक्टेयर है। इसके अलावा करीब 1,500 करोड़ रुपये की मां रेवा माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना से 45 हजार हेक्टेयर और करीब 1,250 करोड़ रुपये की धार माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना से 38 हजार हेक्टेयर सिंचाई क्षमता विकसित करने का लक्ष्य है।

सिर्फ पुरानी परियोजनाएं नहीं, नई योजनाओं पर भी जोर

सरकार ने वर्ष 2024-25 में नर्मदा कछार में नौ नई परियोजनाओं पर करीब 11,645 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है। इनसे 3.51 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता विकसित करने का लक्ष्य है। इन परियोजनाओं में बहेरीबंद, शहीद ईलाप सिंह, सोनडवा, निवाली, महेश्वर-जानापाव, संघवा, धार, मां रेवा और वड़ादेव संयुक्त उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजनाएं शामिल हैं।

हज की दूसरी सूची में मध्यप्रदेश के 76 और यात्री

भोपाल। हज-2027 के लिए मध्यप्रदेश के 76 और यात्रियों के हज पर जाने का रास्ता साफ हुआ है। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने दूसरी प्रतीक्षा सूची जारी करते हुए मध्यप्रदेश के वेटिंग लिस्ट में 552 से 627 नंबर तक के आवेदकों को प्रोविजनल रूप से चयनित किया है। देशभर में दूसरी प्रतीक्षा सूची से कुल 1143 यात्रियों का चयन किया गया है। मध्यप्रदेश राज्य हज कमेटी ने चयनित यात्रियों को इसकी सूचना देते हुए निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत प्रोविजनल चयनित प्रत्येक यात्री को 14 सितंबर तक 1 लाख 52 हजार 300 रुपए जमा करने होंगे। इसमें 1.50 लाख रुपए अग्रिम हज राशि, 2 हजार रुपए विविध शुल्क और 300 रुपए गैर-वापसी योग्य प्रसंस्करण शुल्क शामिल है। यात्री हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट या हज सुविधा ऐप के माध्यम से क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग से राशि जमा कर सकते हैं। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया या यूनियन बैंक ऑफ

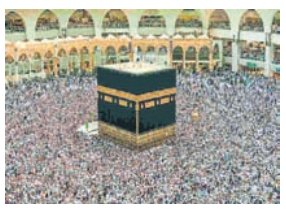

इंडिया की किसी शाखा में निर्धारित पे-इन-स्लिप के माध्यम से भी राशि जमा करने की सुविधा है। प्रत्येक कवर के लिए हज कमेटी की ओर से दिया गया यूनिक रेफरेंस नंबर जमा रसीद में दर्ज करना होगा। मेडिकल जांच भी अनिवार्य प्रोविजनल रूप से चयनित यात्रियों को हज के लिए निर्धारित मेडिकल स्क्रीनिंग कराकर फिटनेस सर्टिफिकेट प्राप्त करना होगा। हज कमेटी ऑफ इंडिया के अनुसार मेडिकल स्क्रीनिंग और फिटनेस सर्टिफिकेट के साथ पे-इन-स्लिप की प्रति भी जमा करनी होगी। इन दस्तावेजों को हज कमेटी के पोर्टल पर अपलोड करने या मध्यप्रदेश राज्य हज कमेटी को 15 सितंबर तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मानसून ने 55 में से 39 जिलों को तरसाया, प्रदेश में 11 प्रतिशत कम बारिश

पश्चिमी मध्यप्रदेश में बारिश की कमी 17 प्रतिशत, इंदौर में सामान्य से 27 प्रतिशत और उज्जैन में 29 प्रतिशत कम वर्षा हुई

भोपाल। मानसून सीजन अपने अंतिम दौर में पहुंच चुका है, लेकिन मध्यप्रदेश में बारिश की कमी अब भी बरकरार है। 1 जून से अब तक प्रदेश में सामान्य से 11प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। जिलेवार आंकड़ों के मुताबिक 55 में से 39 जिलों में बारिश सामान्य से कम हुई है, यानी प्रदेश के करीब 71प्रतिशत जिले अब तक औसत बारिश के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए हैं। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में बारिश का वितरण भी एक जैसा नहीं रहा। पश्चिमी मध्यप्रदेश में सामान्य से 17प्रतिशत कम, जबकि पूर्वी मध्यप्रदेश में 4प्रतिशत कम बारिश हुई है। पश्चिमी हिस्से के कई जिलों में कमी 30प्रतिशत से ज्यादा है। वहीं पूर्वी हिस्से के कुछ जिलों में सामान्य से काफी ज्यादा बारिश हुई है, जिससे क्षेत्रीय औसत संभला हुआ है। इंदौर-उज्जैन पिछड़े, भोपाल आगे इंदौर जिले में अब तक 20.72 इंच बारिश

दर्ज हुई है, जबकि सामान्य आंकड़ा 28.41 इंच है। इस तरह जिला सामान्य से 7.69 इंच पीछे है और कमी 27प्रतिशत है। उज्जैन में 21.33 इंच बारिश हुई है, जबकि यहां का सामान्य आंकड़ा 29.93 इंच है। यहां 8.60 इंच की कमी है और बारिश सामान्य से 29प्रतिशत कम है। इसके उलट भोपाल में मानसून का प्रदर्शन बेहतर रहा। राजधानी में 35.02 इंच बारिश हुई है, जबकि सामान्य आंकड़ा 32.43 इंच है, यानी यहां सामान्य से 2.58 इंच अधिक बारिश हुई और कुल बारिश 8प्रतिशत ज्यादा रही। अब सितंबर से सारी उम्मीद अब तक बारिश में पिछड़े मध्यप्रदेश के अधिकांश जिलों को अब सारी उम्मीद सितंबर से है। हालांकि मौसम विभाग ने सितंबर में सामान्य से कम बारिश की संभावना जताई है। बुधवार को भी भोपाल सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश देखने को नहीं मिली। मौसम विभाग ने आज भोपाल सहित आसपास के जिलों में हलकी से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। बारिश में अब तक पिछड़े जिलों के मानसून कोटे को पूरा करने का दारोमदार भी अब सितंबर पर आ चुका है। उम्मीद है कि सितंबर अगस्त की तरह निराश नहीं करेगा। सबसे ज्यादा कमी वाले 5 जिले जिला अब तक सामान्य अंतर आलीराजपुर 13.2 28.3 -53 प्रतिशत पांढुर्णा 15.8 26.4 -40 प्रतिशत धार 15.8 26.2 -40 प्रतिशत रतलाम 19.5 31.1 -37 प्रतिशत नर्मदापुरम 26.8 42.5 -37 प्रतिशत सबसे ज्यादा बारिश वाले 5 जिले जिला अब तक सामान्य अंतर निवाड़ी 39.2 25.9 +51 प्रतिशत सतना 44.6 30.6 +46 प्रतिशत सिंगरौली 37.3 27.4 +36 प्रतिशत भिंड 25.3 19.8 +28 प्रतिशत शहडोल 40.3 32.4 +24 प्रतिशत (जानकारी मौसम विभाग के अनुसार, आंकड़े इंच में)।

कांग्रेस के संगठन में 40 साल से कम उम्र के गिने-चुने पदाधिकारी

जेन-जी को साधने निकली कांग्रेस, लेकिन अपने संगठन में युवाओं की कमी

भोपाल। मध्य प्रदेश में 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के बीच कांग्रेस ने अपना फोकस प्रदेश के युवा मतदाताओं पर बढ़ा दिया है। 19 सितंबर को इंदौर में राहुल गांधी के प्रस्तावित छात्रों की गूंज कार्यक्रम को इसी रणनीति की शुरूआत के तौर पर देखा जा रहा है। कांग्रेस के मुताबिक कार्यक्रम में करीब 50 हजार जेन-जी युवा शामिल होंगे और 30 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को प्रवेश दिया जाएगा। लेकिन कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा सवाल सिर्फ युवाओं को कार्यक्रम में जुटाने का नहीं, बल्कि उन्हें पार्टी की राजनीति और संगठन से जोडने का है। प्रदेश में 1.41 करोड़ से अधिक युवा मतदाता हैं और 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के ही 11.81 लाख से ज्यादा मतदाता हैं। ऐसे में कांग्रेस की नजर जिस बड़े युवा वोट बैंक पर है, उसके सामने पार्टी के भीतर युवाओं की भागीदारी खुद एक चुनौती बनकर खड़ी है। कार्यक्रम से अभियान तक पहुंचने की तैयारी कांग्रेस राहुल गांधी के इंदौर दौरे को केवल एक सभा तक सीमित रखने के बजाय इसे व्यापक छात्र अभियान में बदलने की तैयारी में है। पार्टी पेपर लीक, परीक्षा और भर्ती में कथित अनियमितता, बेरोजगारी और शिक्षा के व्यावसायीकरण जैसे मुद्दों पर युवाओं से संवाद करेगी। इसके बाद शहरों, कस्बों, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और प्रतियोगी परीक्षा केंद्रों तक छात्रों की गूंज अभियान ले जाने की योजना है। यानी कांग्रेस की रणनीति साफ दिखाई दे रही है-युवा मतदाताओं की नाराजगी को राजनीतिक मुद्दों में बदलना और उसे 2028 के चुनावी अभियान से जोडना। मालवा के साथ आदिवासी वोट बैंक भी निशाने पर इंदौर का आयोजन सिर्फ शहरी युवाओं तक सीमित नहीं रहने वाला है। कांग्रेस मालवा-निमाड़ के आदिवासी बहुल क्षेत्रों तक भी इसका राजनीतिक

संदेश पहुंचाना चाहती है। धार, रतलाम, खंडवा, आलीराजपुर और झाबुआ जैसे क्षेत्रों में आदिवासी मतदाताओं के साथ जयस का प्रभाव भी कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण है। प्रदेश की करीब 82 विधानसभा सीटों पर आदिवासी समुदाय का प्रभाव माना जाता है। इसके साथ किसानों को भी संदेश देने की कोशिश होगी। ऐसे में राहुल गांधी का इंदौर दौरा कांग्रेस के लिए युवा, आदिवासी और किसान-तीनों वर्गों को साधने की कवायद बनता दिखाई दे रहा है। असली चुनौती संगठन के भीतर कांग्रेस की रणनीति के सामने सबसे बड़ी कमजोरी उसका अपना संगठन है। पार्टी युवाओं को राजनीति में आगे लाने का संदेश देने जा रही है, लेकिन मौजूदा संगठनात्मक तस्वीर इस दावे को चुनौती देती है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक कांग्रेस की ओर से 40 साल से कम उम्र के गिने-चुने ही जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी हैं। यही वजह है कि युवाओं के बीच राहुल गांधी का संवाद सफल होने के बावजूद उसे स्थायी राजनीतिक समर्थन में बदलना आसान नहीं होगा। सवाल यह है कि कार्यक्रम में जुटने वाला युवा क्या सिर्फ श्रोता रहेगा या उसे संगठन में भूमिका भी मिलेगी? 2023 की हार के बाद नई रणनीति कांग्रेस के लिए युवा वोटरों पर दांव इसलिए भी अहम है क्योंकि 2018 में 114 विधानसभा सीटें जीतने वाली पार्टी 2023 के चुनाव में घटकर 66 सीटों पर आ गई थी। अब 2028 की तैयारी में पार्टी नए सामाजिक और आयु वर्गों को जोडने की कोशिश कर रही है।

शिक्षकों के 18,088 पदों पर भर्ती की तैयारी

वर्ग-1, 2 और 3 में बंपर मौके, पुरानी भर्ती में पद बढ़ाने से इनकार

भोपाल। मध्यप्रदेश में शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए नई भर्ती को लेकर बड़ी खबर है। स्कूल शिक्षा विभाग ने उच्च माध्यमिक, माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षकों के 18,088 रिक्त पदों पर नई भर्ती की तैयारी शुरू कर दी है। विभाग जुलाई 2027 तक रिक्तियों की गणना कर रहा है। इसके बाद नई भर्ती का विज्ञापन जारी किया जाएगा। नई भर्ती की तैयारी के बीच वर्ग-1, वर्ग-2 और वर्ग-3 की मौजूदा भर्ती में पद बढ़ाने की मांग को लेकर भोपाल में अभ्यर्थियों का प्रदर्शन लगातार 15वें दिन जारी रही। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी वर्तमान भर्ती में अतिरिक्त पद जोडने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि परीक्षा परिणाम आने के बाद विज्ञापित पदों की संख्या बढ़ाई या घटाई नहीं जा सकती। यानी मौजूदा भर्ती में नए पद जोडने के बजाय उन्हें अगली भर्ती में शामिल किया जाएगा। 18 हजार से ज्यादा पदों पर जो भर्ती होने वाली है उसमें उच्च माध्यमिक शिक्षक के 4,769 पद 3,219

बैकलॉग,1,530 नए पद,माध्यमिक शिक्षक के 5,504 पद 2,504 बैकलॉग, 3,000 नए पद और प्राथमिक शिक्षक के 7,815 पद, 2,315 बैकलॉग, 5,500 नए पद पर भर्ती होगी। इन पदों के अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग के 13 प्रतिशत आरक्षण से जुड़े 3,990 पद भी रोके गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के मुताबिक नई भर्ती के लिए कुल 18,088 रिक्त पद चिन्हित किए गए हैं। इनमें बैकलॉग और नए रिक्त पद दोनों शामिल हैं। विभाग में 72,901 पद खाली स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षकों और अन्य पदों को मिलाकर बड़ी संख्या में रिक्तियां हैं। विभाग में कुल 3,38,787 स्वीकृत पद हैं। इनमें 2,65,886 पदों पर कर्मचारी कार्यरत हैं, जबकि 72,901 पद खाली हैं। इनमें से 59,073 पद पदोन्नति से और 13,828 पद सीधी भर्ती से भरे जाने हैं। विभाग का कहना है कि पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उपलब्ध होने वाले पदों पर भी भर्ती की जाएगी। पुरानी भर्ती में अब नहीं बढ़ेंगे पद पदवृद्धि की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों के लिए यह बड़ा झटका है। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि भर्ती का परिणाम जारी होने के बाद विज्ञापित पदों की संख्या में बदलाव नहीं किया जा सकता। इसलिए नए रिक्त पदों को वर्तमान भर्ती में जोडने के बजाय नई भर्ती में शामिल किया जाएगा। आरक्षित पदों पर भी विभाग ने स्थिति साफ की अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित पदों पर संबंधित वर्ग के अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने पर उन्हें अनारक्षित या अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों से नहीं भरा जाएगा। ऐसे पदों को अगली भर्ती में फिर शामिल किया जाएगा। वर्तमान भर्ती में उच्च माध्यमिक शिक्षक के 3,436, माध्यमिक शिक्षक के 2,463 और प्राथमिक शिक्षक के 1,199 आरक्षित पदों पर संबंधित वर्ग के अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने की जानकारी विभाग ने दी है। पदोन्नति अटकी, टीईटी का पेंच विभाग में बड़ी संख्या में पद खाली होने के बावजूद पदोन्नति की प्रक्रिया भी लंबित है। विभाग के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के क्रम में राय ली गई है और इसमें शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण शिक्षकों की ही पदोन्नति किए जाने की बात कही गई है। इसी वजह से पदोन्नति की कार्रवाई फिलहाल लंबित है। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को अब नई भर्ती का इंतजार वर्ग-1, वर्ग-2 और वर्ग-3 की मौजूदा भर्ती में पद बढ़ाने की मांग को लेकर अभ्यर्थी लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं।

|| संपादकीय ||

हीरे से लेकर हथियारों तक, बेल्जियम के साथ मिलकर मोदी ने यूरोप के लिए बनाया बड़ा गेम प्लान

भारत और बेल्जियम के रिश्तों की सबसे चमकदार पहचान हीरे रहे हैं। एंटवर्प से मुंबई और सूरत तक फैला कारोबार दोनों देशों को जोड़ता रहा है। लेकिन अब यह रिश्ता सिर्फ चमकते हीरों तक सीमित नहीं रहने वाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की नई दिल्ली में हुई मुलाकात ने भारत-बेल्जियम संबंधों को रक्षा, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा और निवेश जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक विस्तार देने का स्पष्ट रोडमैप तैयार कर दिया है। भौगोलिकसंदर्भ

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि भारत अब द्विपक्षीय संबंधों को अलग-अलग घटनाओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापार, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और वैश्विक राजनीति को जोड़कर एक व्यापक रणनीतिक ढांचे में आगे बढ़ा रहा है।

इतिहास की साझी विरासत, भविष्य की रणनीतिक साझेदारी - हम आपको बता दें कि भारत-बेल्जियम संबंधों की जड़ें गहरी हैं। प्रथम विश्व युद्ध में फ्लैंडर्स के युद्धक्षेत्रों में 9,000 से अधिक भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। बेल्जियम स्वतंत्र भारत के साथ 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले शुरुआती यूरोपीय देशों में शामिल था। अब 2027 में दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की 80वीं वर्षगांठ मनाएंगे। प्रधानमंत्री डी वेवर ने भारत यात्रा की शुरुआत राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर की। यह प्रतीकात्मक घटना उस रिश्ते की ओर इशारा करती है जिसकी बुनियाद लोकतंत्र, कानून के शासन, बहुलवाद और आपसी विश्वास पर टिकी है।

लेकिन इस बार इतिहास से अधिक महत्वपूर्ण भविष्य है। 15 जुलाई 2026 को ब्रुसेल्स में शुरू हुआ पहला भारत-बेल्जियम रणनीतिक संवाद अब दोनों देशों के संबंधों को नियमित और व्यापक संस्थागत आधार देगा। इसके तहत व्यापार और निवेश से लेकर हरित परिवर्तन, प्रौद्योगिकी, संपर्क, रक्षा और सुरक्षा तक सहयोग के लिए एक स्थायी मंच तैयार किया गया है।

भारत-ईयू समीकरण में बेल्जियम की बढ़ती अहमियत - इस यात्रा का सबसे बड़ा वैश्विक महत्व भारत-यूरोपीय संघ संबंधों से जुड़ा है। जनवरी 2026 में भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता का सफल निष्कर्ष एक ऐतिहासिक घटनाक्रम माना जा रहा है। मोदी और डी वेवर ने इसके शीघ्र क्रियान्वयन पर जोर दिया है। भारत और यूरोपीय संघ दुनिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक और आर्थिक शक्तियां हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध और आर्थिक प्रतिस्पर्धा से प्रभावित हैं, भारत-ईयू आर्थिक साझेदारी का विस्तार केवल व्यापारिक मामला नहीं है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन-केंद्रित निर्भरता से बाहर निकालने और अधिक विविध तथा सुरक्षित व्यवस्था बनाने की रणनीति भी है।

बेल्जियम इस समीकरण में विशेष भूमिका निभा सकता है। एंटवर्प यूरोप के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक और बंदरगाह केंद्रों में है। दूसरी ओर भारत हिंद महासागर क्षेत्र में एक विशाल बाजार और तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति है। दोनों देशों का सहयोग यूरोप और भारत के बीच एक नए आर्थिक एवं लॉजिस्टिक गलियारे की नींव बन सकता है।

पांच साल में व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य - दोनों प्रधानमंत्रियों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इंडिया-बेल्जियम इन्वेस्टमेंट फास्ट-ट्रैक मैकेनिज्म शुरू किया गया है, जो निवेश संबंधी बाधाओं को दूर करने और कंपनियों को सहायता देने का काम करेगा। बेल्जियम की संप्रभु निवेश संस्था एसएफपीआईएम और भारत के नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड यानि एनआईआईएफ के बीच सहयोग से एक संभावित भारत-बेल्जियम आर्थिक और निवेश गलियारे की दिशा में भी काम होगा। सहयोग के नए क्षेत्रों की सूची बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन, रक्षा विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनिंग और रिसाइक्लिंग, परमाणु ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा कि बेल्जियम की सेमीकंडक्टर विशेषज्ञता और भारत का विशाल औद्योगिक पैमाना एक-दूसरे के पूरक हैं। बेल्जियम के विश्वस्तरीय आईमेक संस्थान को भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम से जोड़ने की पहल भविष्य में तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

रक्षा सहयोग: रिश्तों का सबसे बड़ा रणनीतिक बदलाव- इसके अलावा, भारत-बेल्जियम संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में दिखाई देता है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों के बीच हस्ताक्षरित लेटर ऑफ इंटेंट नियमित सैन्य संवाद, स्टाफ वार्ता, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रक्षा औद्योगिक साझेदारी का ढांचा तैयार करेगा। दोनों देश रक्षा सह-विकास और सह-उत्पादन की संभावनाएं तलाशेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्नत रक्षा उपकरणों, विशेष रूप से जोरावर टैंक जैसे क्षेत्रों में सहयोग का उल्लेख किया।

साथ ही बेल्जियम का नई दिल्ली में रक्षा अताशे नियुक्त करना और भारत का ब्रुसेल्स में स्थायी रक्षा अताशे नियुक्त करने का फैसला रिश्तों की बदलती प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत है। बेल्जियम का युद्धपोत एलईओपोल्ड 1 नवंबर 2026 को भारत आएगा। यह मात्र नौसैनिक दौरा नहीं, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते सहयोग का संकेत है।

इसके अलावा, भारत और बेल्जियम ने आतंकवाद के खिलाफ भी मजबूत साझा रुख अपनाया है। बेल्जियम ने पहलगाम में 2025 के आतंकी हमले की निंदा दोहराई और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता दिखाई। दोनों देशों ने आतंकवाद, उसके सुरक्षित ठिकानों और वित्तपोषण के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया।

वहीं, सीबीआई और बेल्जियम की संघीय पुलिस के बीच समझौता संगठित अपराध और साइबर अपराध के खिलाफ सहयोग को नई ताकत देगा। सूचना साझा करने, भगोड़ों का पता लगाने और क्षमता निर्माण में यह समझौता महत्वपूर्ण होगा।

ग्रीन हाइड्रोजन से समुद्री शक्ति तक - साथ ही हरित ऊर्जा सहयोग भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि है। नवीकरणीय ऊर्जा पर नए एमओयू के तहत ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, अपतटीय पवन ऊर्जा, बायो-एनर्जी और पंप स्टोरेज में सहयोग बढ़ेगा। ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन से लेकर परिवहन, भंडारण और अंतिम उपयोग तक पूरी वैल्यू चेन में साझेदारी की योजना बनाई गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में विकसित हो रहे विशाल ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट का भी उल्लेख किया।

समुद्री और बंदरगाह सहयोग भी सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। एंटवर्प और फ्लैंडर्स की बंदरगाह विशेषज्ञता, भारत के तेजी से विकसित होते बंदरगाह नेटवर्क और हिंद महासागर में भारत की भूमिका मिलकर नई संभावनाएं पैदा कर सकती हैं। लॉजिस्टिक्स, ट्रेडिंग, बंदरगाह विकास और अपतटीय पवन ऊर्जा में बेल्जियम की विशेषज्ञता भारत के लिए उपयोगी हो सकती है।

वैश्विक राजनीति में साझा संदेश - इसके अलावा, दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत पर जोर दिया। बेल्जियम ने एक बार फिर विस्तारित और सुधारित सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया। दोनों देशों ने एक-दूसरे की अस्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का भी समर्थन किया।

राम मंदिर अयोध्या के सीईओ एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र की नियुक्ति के पीछे छिपे महत्वपूर्ण प्रशासनिक व सियासी संदेश को समझिए

> राम मंदिर आंदोलन के समय सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक-सामाजिक लामबंदी की थी, जबकि मंदिर निर्माण के बाद आवश्यकता बदल गई है। अब करोड़ों श्रद्धालुओं की व्यवस्था, दर्शन प्रणाली, सुरक्षा, दान, वित्त, कर्मचारियों, तकनीक, निर्माण, यातायात और अंतरराष्ट्रीय धार्मिक पर्यटन का प्रबंधन करना है।

उत्तरप्रदेश की आध्यात्मिक राजधानी अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारतीय राजनीति के सबसे लंबे और निर्णायक अध्यायों में से एक रहा है। इस मंदिर आंदोलन ने भारतीय राजनीति की दिशा बदली, भाजपा को राष्ट्रीय सत्ता के केंद्र तक पहुंचाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई और अंततः 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ आंदोलन का सबसे बड़ा प्रतीकात्मक लक्ष्य पूरा हुआ।

लेकिन इतिहास का दिलचस्प मोड़ यह है कि मंदिर बनने के बाद असली प्रशासनिक चुनौती शुरू हुई है, जिसके दृष्टिगत 2 सितंबर 2026 को 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' ने सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र कुमार मिश्र को अपना पहला पूर्णकालिक CEO नियुक्त किया। इसलिए मिश्र की नियुक्ति के पीछे छिपे महत्वपूर्ण प्रशासनिक व सियासी संदेश को समझना होगा।

मसलन, लगभग 5,585 आवेदनों में से बहुस्तरीय चयन प्रक्रिया के बाद तीन नामों के पैनल में से उनका चयन हुआ। मिश्र अप्रैल 2026 में भारतीय वायुसेना के पश्चिमी वायु कमान के प्रमुख पद से सेवानिवृत्त हुए थे और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनकी भूमिका के कारण राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित रहे। सवाल इसलिए बड़ा है कि राम मंदिर जैसे धार्मिक-सांस्कृतिक संस्थान का CEO एक पूर्व शीर्ष सैन्य कमांडर ही क्यों? और उससे भी बड़ा सवाल यह कि क्या यह सिर्फ प्रशासनिक नियुक्ति है या अयोध्या के लिए तैयार किए जा रहे किसी बड़े संस्थागत मॉडल का संकेत?

पहला, राम मंदिर अब 'आंदोलन' नहीं, 'सुव्यवस्थित संस्थान' है: राम मंदिर आंदोलन के समय सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक-सामाजिक लामबंदी की थी, जबकि मंदिर निर्माण के बाद आवश्यकता बदल गई है। अब करोड़ों श्रद्धालुओं की व्यवस्था, दर्शन प्रणाली, सुरक्षा, दान, वित्त, कर्मचारियों, तकनीक, निर्माण, यातायात और अंतरराष्ट्रीय धार्मिक पर्यटन का प्रबंधन करना है। इसलिए CEO की नियुक्ति मूलतः इस बात की घोषणा है कि राम मंदिर अब केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि एक विशाल संस्थागत व्यवस्था है। खासकर यह परिवर्तन भाजपा और संघ परिवार के लिए भी महत्वपूर्ण है। जिस राम मंदिर ने राजनीतिक आंदोलन को ऊर्जा दी, वही मंदिर अब शासन और प्रशासन की क्षमता की परीक्षा का केंद्र बनने जा रहा है।

दूसरा, 'संत-आधारित प्रबंधन' से 'प्रोफेशनल मैनेजमेंट' की ओर अग्रसर है: राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मूल प्रकृति धार्मिक-सामाजिक है। लेकिन मंदिर के बढ़ते आकार और महत्व के साथ केवल पारंपरिक न्यास व्यवस्था पर्याप्त नहीं रह सकती। शायद CEO का पद बनाना इसी बदलाव का संकेत है। और CEO के लिए पूर्व एयर मार्शल का चयन और भी स्पष्ट संदेश देता है कि- संस्था को अब कॉरपोरेट-जैसी प्रशासनिक दक्षता, सैन्य-जैसी अनुशासनात्मक क्षमता और आधुनिक प्रबंधन की आवश्यकता महसूस हो रही है। मिश्र के चयन की प्रक्रिया भी असाधारण थी—5,585 आवेदन, 1,580 योग्य/उपयुक्त उम्मीदवार, 108 ऑनलाइन इंटरैक्शन, 16 आमने-सामने के उम्मीदवार और अंततः तीन नामों का पैनल। चयन समिति ने नेतृत्व, प्रबंधन अनुभव, ईमानदारी और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय महत्व की संस्था को संचालित करने की दृष्टि जैसे पहलुओं का मूल्यांकन किया। अर्थात संदेश साफ है कि अब राम मंदिर के प्रशासन में 'कौन है?' से ज्यादा महत्वपूर्ण 'क्या कर सकता है?' होने जा रहा है।

तीसरा, ऑपरेशन सिंदूर से अयोध्या तक 'राष्ट्रीय सुरक्षा' से 'राष्ट्रीय संस्कृति' का सेतु है यह निर्णय: जितेंद्र मिश्र की नियुक्ति का सबसे प्रतीकात्मक पक्ष यही है कि जिस अधिकारी ने पश्चिमी वायु कमान का नेतृत्व किया और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैन्य अभियानों की कमान से जुड़े रहे, वही अब राम मंदिर के प्रशासन का

नेतृत्व करेंगे। उन्हें सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक से भी सम्मानित किया गया है। इसका अर्थ निकालने में सावधानी जरूरी है। यह कहना जल्दबाजी होगी कि सरकार या ट्रस्ट ने जानबूझकर 'राष्ट्रीय सुरक्षा मॉडल' को मंदिर प्रशासन में उतारने का निर्णय लिया है। लेकिन प्रतीकात्मक अर्थ को नकारना भी मुश्किल है। सीमा की रक्षा करने वाले सैन्य कमांडर से लेकर देश की सांस्कृतिक अस्मिता के सबसे बड़े प्रतीक के प्रबंधन तक की यात्रा— अपने आप में एक शक्तिशाली राजनीतिक प्रतीक है। यह संदेश भी पढ़ा जा सकता है कि अयोध्या को अब केवल धार्मिक नगर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय महत्व के सांस्कृतिक-सुरक्षा परिसर के रूप में विकसित करने की तैयारी है।

चौथा, चढ़ावा विवाद के बाद 'विश्वास' की पुनर्स्थापना होगी: इस नियुक्ति के समय को सबसे अधिक गंभीरता से देखना होगा। राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितता मामले में गिरफ्तारियां हुईं और ट्रस्ट के प्रशासन पर सवाल उठे। हालिया ट्रस्ट बैठक में चढ़ावे की गिनती में मानवीय हस्तक्षेप घटाने के लिए तकनीक आधारित प्रणाली पर भी विचार किया गया। IIT और बैंकों से प्रस्ताव लिए जाने की खबर है। ऐसे समय में एक अत्यंत वरिष्ठ, गैर-राजनीतिक और अनुशासनप्रिय सैन्य अधिकारी को CEO बनाना एक महत्वपूर्ण संदेश देता है कि अब मंदिर प्रशासन में विश्वास केवल धार्मिक प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि संस्थागत पारदर्शिता से भी अर्जित करना होगा। लेकिन यहां राजनीतिक ईमानदारी जरूरी है। मिश्र की नियुक्ति को सीधे चढ़ावा विवाद का परिणाम कहना उपलब्ध तथ्यों से सिद्ध नहीं है। CEO चयन की प्रक्रिया जुलाई में शुरू हो चुकी थी और लगभग दो महीने चली। फिर भी दोनों घटनाओं का समय एक साथ आने से यह स्पष्ट है कि ट्रस्ट अपने प्रशासनिक ढांचे को अधिक मजबूत और जवाबदेह बनाने की दिशा में बढ़ रहा है।

पांचवां, क्या RSS-BJP-VHP की पारंपरिक भूमिका बदल रही है?: यही वह सवाल है जिस पर सबसे ज्यादा राजनीतिक बहस होगी। राम मंदिर आंदोलन की राजनीतिक-सामाजिक धुरी में भाजपा के साथ RSS और विश्व हिंदू परिषद की भूमिका ऐतिहासिक रही है। अब जब मंदिर का संचालन एक पूर्व एयर मार्शल को सौंपा जा रहा है, तो क्या इसका अर्थ है कि पुराने राजनीतिक-सामाजिक नेटवर्क पर भरोसा कम हो रहा है? कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने इसी दिशा में राजनीतिक आरोप लगाया है कि भाजपा-RSS से जुड़े लोगों पर भरोसा कम होने के कारण सेना के अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई। लेकिन इस आरोप को तथ्य नहीं, राजनीतिक व्याख्या के रूप में देखना चाहिए। दूसरी व्याख्या ज्यादा व्यावहारिक हो सकती है। वह यह कि RSS और VHP आंदोलन चला सकते हैं, वैचारिक-सामाजिक आधार दे सकते हैं, लेकिन प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं, हजारों कर्मचारियों, वित्तीय प्रणालियों, तकनीकी ढांचे और सुरक्षा-समन्वय को चलाने के लिए अलग तरह की विशेषज्ञता चाहिए। इसलिए संभव है कि यह RSS/BJP से दूरी नहीं, बल्कि कार्य-विभाजन का नया चरण हो।

छठा, मोदी मॉडल के बाद अब 'अयोध्या मॉडल' की परीक्षा का वक्तः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक विमर्श में राम मंदिर केवल धार्मिक मुद्दा नहीं रहा; वह सांस्कृतिक पुनर्जागरण, विरासत और विकास की राजनीति से भी जुड़ा रहा है। अब अयोध्या को विश्वस्तरीय धार्मिक-सांस्कृतिक शहर बनाने की चुनौती सामने है। यही वह जगह है जहां 'अयोध्या मॉडल' की परीक्षा होगी। क्या अयोध्या विश्वस्तरीय तीर्थ व्यवस्था बना पाएगी? वह करोड़ों श्रद्धालुओं को सुरक्षित दर्शन करा पाएगी? वह दान और वित्तीय व्यवस्था में पारदर्शिता स्थापित करेगी? वह स्थानीय नागरिकों के हितों की रक्षा करेगी? वह धार्मिक पर्यटन से रोजगार पैदा करेगी? वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सांस्कृतिक छवि मजबूत करेगी? अगर इन सवालों का उत्तर सकारात्मक मिलता है तो राम मंदिर भाजपा के लिए केवल राजनीतिक प्रतीक नहीं रहेगा। वह प्रशासनिक सफलता का मॉडल भी बन सकता है।

सातवां, 2027 की उत्तर प्रदेश राजनीति में अयोध्या का नया अर्थ कैसे समझाया जाएगा: यह सबसे बड़ा संदेश है, क्योंकि उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव सामने है। ऐसे समय में अयोध्या का राजनीतिक महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि उसकी प्रकृति बदल गई है। 2017 और 2022 की राजनीति में राम मंदिर मुख्यतः निर्माण और आस्था के सवाल से जुड़ा था। हालांकि, अब सवाल बदल गया है—वह यह कि राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या कैसी बनी? यही प्रश्न 2027 के राजनीतिक विमर्श में महत्वपूर्ण हो सकता है। अगर अयोध्या में विश्वस्तरीय सुविधाएं, रोजगार, पर्यटन, बेहतर परिवहन और सुरक्षित तीर्थ व्यवस्था दिखाई देती है तो भाजपा इसे अपने विकास और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संयुक्त मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। लेकिन यदि स्थानीय विस्थापन, महंगाई, यातायात, भीड़, पर्यावरण, प्रशासनिक भ्रष्टाचार या वित्तीय विवाद जैसे मुद्दे उभरते हैं तो विपक्ष को नया राजनीतिक हथियार मिल सकता है। इसलिए CEO की नियुक्ति का अप्रत्यक्ष चुनावी अर्थ भी है। अब राम मंदिर केवल भाजपा की वैचारिक पूंजी नहीं, बल्कि उसका प्रशासनिक प्रदर्शन भी राजनीतिक पूंजी बन सकता है।

इतिहासकिताबें खोजें

- कमलेश पांडेय

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

'अंतहीन' ही रहेगा युद्ध

प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से एक बार फिर आग्रह किया है कि 'अंतहीन युद्ध' से निकल कर 'युद्ध के अंत' की ओर बढ़ें। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने प्रधानमंत्री मोदी को पश्चिम एशिया में शांति के प्रयासों और संवाद की शुरुआत के लिए मध्यस्थ भूमिका निभाने का अनुरोध किया है। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) के देशों का शिखर सम्मेलन जारी रहा और युद्ध-समाप्ति की ऐसी आवाजें बुलंद होती रहीं, लेकिन उसके समानांतर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर एक बार फिर हमला करवा दिया। होर्मुज जलडमरूमध्य के करीब लारक द्वीप पर हमला कर दो लॉन्चर्स को तबाह करने का दावा किया गया है। दो मौतों के अलावा नुकसान काफी हुआ है। यह द्वीप फारस और ओमान खाड़ी के बीच स्थित है और बेहद महत्वपूर्ण, संवेदनशील संकरा जलमार्ग है। दुनिया के करीब 20 फीसदी तेल और गैस इसी रास्ते से सप्लाई होते रहे हैं। यहां से जहाजों पर पैनी निगरानी भी रखी जा सकती है। अमरीका इसे भी बर्बाद करने पर आमादा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया की पोस्ट में लिखा है कि ईरान द्वारा बिछाई जा रही बारूदी सुरंगों को उड़ाने के लिए यह हमला किया गया। ट्रंप ने यह भी लिखा है कि हम ईरान को बुरी तरह मारेंगे। ईरान एक नाकाम देश है। उसके पास करेंसी भी नहीं बची है। महंगाई दर 300 फीसदी है और ईरान अपने सैनिकों और पुलिस को वेतन तक नहीं दे पा रहा है। अमरीका आज की रात (मंगलवार) ईरान पर विध्वंसक हमला करेगा। हमले से पहले ही ईरान ने पलटवार कर जॉर्डन और संयुक्त अरब अमीरात समेत कतर, कुवैत, बहरीन में अमरीकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर अमरीका को बता दिया है कि ईरान की ताकत अब भी मौजूद है।

राष्ट्रपति ट्रंप पहले दावा कर चुके हैं कि अमरीका ने होर्मुज क्षेत्र को बारूदी सुरंगों से मुक्त करा दिया है। फिर यह हमला क्यों किया गया? हमले के बावजूद होर्मुज में अब भी 100 से अधिक बारूदी सुरंगें बताई जाती हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने करीब एक माह की खामोशी और हमलों को रोकने के बाद तब हमले के आदेश दिए हैं, जब अमरीका के कई सैन्य कमांडरों ने युद्ध को बढ़ाने पर 'असहमति' जताई है। 'व्हाइट हाउस' के आधा दर्जन बड़े अधिकारियों ने इस्तीफे दे दिए हैं। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट, अमरीकी सेना के सचिव डैन ड्रीस्कॉल समेत उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, निदेशक, वकील आदि अधिकारियों ने राष्ट्रपति का साथ छोड़ दिया है। 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' के अध्यक्ष जनरल डैन केन भी कह चुके हैं कि मौजूदा परिस्थितियों में ईरान को हराना असंभव-सा है। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप, युद्ध के छह महीने बाद भी, युद्ध को 'अंतहीन' बनाने पर आमादा हैं। युद्ध में अमरीका के अब तक 3,57,677 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। एक अहंकार, वहशीपन, तानाशाह प्रवृत्ति ने करदाताओं का इतना पैसा 'फूंक' दिया है। अमरीका के 18-19 लड़ाकू विमान तबाह हो चुके हैं। उसके 18 सैनिक मारे जा चुके हैं और 750 से अधिक घायल हुए हैं। ये आंकड़े पेंटागन के हैं और शीर्ष मीडिया एजेंसियां और अखबार छाप चुके हैं। ट्रंप की लोकप्रियता 'निम्नतम' स्तर पर है और जनता में भी रोष, विद्रोह हैं। ईरान युद्ध में अभी तक कुल 3600 के करीब मौतें हो चुकी हैं, जबकि इजरायल में करीब 60 और लेबनान में 3527 मौतें हुई हैं। युद्ध के दौरान होर्मुज में 70 से अधिक जहाजों पर हमले किए गए, जिनमें 19 नाविक मारे गए। इनमें भारतीय भी शामिल हैं। बताया जाता है कि अब भी 400 जहाज और करीब 6000 नाविक होर्मुज और आसपास के समंदर में फंसे हैं।

टेक्नोलॉजी

Google का AI धमाका! आने वाला है नया Gemini, जानें यूजर्स को क्या मिलेगा नया

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में लगातार नए-नए मॉडल्स आ रहे हैं. बता दें कि गूगल भी एआई पर काफी समय से काम कर रही है. लेकिन OpenAI और Anthropic से गूगल को कड़ी टक्कर मिल रही है. इसी को ध्यान में रखते हुए अब Google एक नए Gemini मॉडल के जरिए अपनी स्थिति मजबूत करने की तैयारी में है. खासतौर पर Coding के क्षेत्र में कंपनी का अगला AI मॉडल बड़ा बदलाव ला सकता है.

आने वाला है नया Gemini मॉडल - एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, Google एक नए AI मॉडल पर काम कर रहा है जिसे कंपनी के अंदर Skimaki नाम से जाना जा रहा है. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसका फोकस बेहतर Coding क्षमता पर है. वहीं, जानकारी के अनुसार, इस मॉडल को कंपनी मार्केट में Gemini 3.8 Flash के नाम से उतार सकती

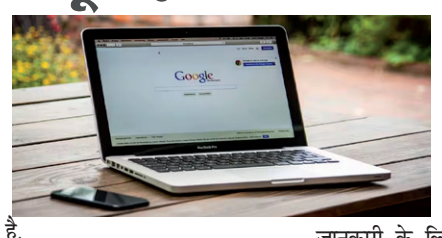

है.

Flash मॉडल क्यों है खास? - आपको बता दें कि Gemini Flash सीरीज को Google नॉर्मली तेज और कम लागत वाले AI मॉडल के तौर पर पेश करता है. ये मॉडल बड़े Frontier AI मॉडल के मुकाबले में छोटे होते हैं लेकिन उनकी कम लागत और तेज रिएक्शन उन्हें व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए काफी कारगर बनाती है.

बता दें कि छोटे मॉडल के साथ एक फायदा ये होता है कि उनपर गूगल की कई टीमें अलग-अलग एक्सपेरिमेंट भी कर सकती हैं. वहीं, दूसरी ओर, बड़े और Pro मॉडल को ट्रेन और अपडेट करने में काफी ज्यादा कंप्यूटिंग पावर की जरूरत पड़ती है.

किसे मिलेगी टक्कर - आपकी जानकारी के लिए बता दें कि AI Coding आज कंपनियों के लिए सबसे जरूरी इस्तेमालों में शामिल हो चुका है. इस क्षेत्र में Anthropic और OpenAI के मॉडल काफी मजबूत माने जाते हैं. ऐसे में Google का नया Flash मॉडल कंपनी के लिए काफी अहम हो सकता है.

रिपोर्ट के अनुसार, Google के Coding प्लेटफॉर्म Jetski में हुए कुछ इंटरनल टेस्ट में इंजीनियर्स ने Gemini 3.8 Flash को Anthropic के Opus मॉडल के मुकाबले में बेहतर पसंद किया है. हालांकि, इसका मतलब ये नहीं है कि Google ने सभी बेंचमार्क में बढ़त हासिल कर ली है.

AI Coding की रेस में बढ़ रहा कंप्टीशन - आपकी जानकारी के लिए बता दें कि Google को सिर्फ OpenAI और Anthropic से ही मुकाबला नहीं करना है. AI Coding के क्षेत्र में दूसरी कंपनियां भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं. Elon Musk की कंपनी SpaceXAI ने भी Coding पर फोकस्ड नए Grok मॉडल पेश किए हैं.

इसके अलावा Meta ने भी Muse Code नाम का AI Coding Agent लॉन्च किया है. इसे Alexandr Wang की Superintelligence Labs टीम से जुड़ा बताया जा रहा है. ऐसे माहौल में Gemini 3.8 Flash Google के लिए सिर्फ एक नया AI मॉडल नहीं बल्कि Coding की तेज होती रेस में अपनी कंडिशन दोबारा मजबूत करने की कोशिश भी हो सकता है.

जनरल नॉलेज

भूटान इतना छोटा देश, फिर भारत को बिजली कैसे बेचता है?

भूटान भले ही भौगोलिक क्षेत्रफल और आबादी के मामले में छोटा हो लेकिन यह हाइड्रोपावर के एक जरूरी उत्पादक और निर्यातक के तौर पर उभरा है. पहाड़ी इलाका, ढेर सारी नदी और देश के अंदर बिजली की कम मांग इसे एक खास फायदा देती है. भारत की आर्थिक और तकनीकी मदद से भूटान ने कई बड़े हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट बनाए हैं और बची हुई बिजली भारत को बेचता है. इससे दोनों पड़ोसियों के बीच आपसी फायदे वाली साझेदारी बनी है.

भूटान की नदी उसकी सबसे बड़ी ताकत - भूटान हिमालयी इलाके में बसा है. यहां पहाड़ी रास्ते से होकर कई नदियां तेजी से बहती हैं. इन नदियों में बारिश, पिघलती बर्फ और ग्लेशियर से पानी आता है. इससे हाइड्रो पावर बनाने के लिए बेहतरीन हालात बनते हैं. भूटान की कुल हाइड्रो पावर क्षमता का अनुमान लगभग 30000 मेगावाट है. यह जल संसाधनों को देश की सबसे कीमती प्राकृतिक संपत्तियों में से एक बनाता है.

देश के अंदर बिजली की मांग काफी कम - भूटान की आबादी 8 लाख से भी कम है. साथ ही देश में बड़े पैमाने पर ऐसे भारी उद्योग नहीं हैं जिन्हें काफी ज्यादा बिजली की जरूरत हो. यही वजह है कि इसकी नदियों से जितनी बिजली बन सकती है उसके मुकाबले देश के अंदर बिजली की जरूरत काफी कम है. जब भी बड़े हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट पूरी क्षमता से काम करते हैं तो बिजली बच जाती है. इस बिजली को बेकार जाने देने के बजाय भूटान इसे भारत को एक्सपोर्ट करता है.

भारत के सहयोग से बड़े प्रोजेक्ट मुमकिन हुए - बड़े हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट बनाने के लिए काफी ज्यादा पैसे के निवेश, एडवांस्ड इंजीनियरिंग और तकनीकी जानकारी की जरूरत होती है. भूटान को 1960 के दशक से ही इन क्षेत्रों में भारत से काफी मदद मिली है.

भारत सरकार ने ग्रांट और कम ब्याज वाले लोन के जरिए आर्थिक मदद दी है. साथ ही हाइड्रो पावर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए तकनीकी मदद भी दी है. इस सहयोग ने भूटान को अपनी नदी को आर्थिक कमाई का एक बड़ा जरिया बनाने में मदद की.

प्रमुख हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट - भारत की मदद से भूटान में कई बड़े हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट बनाए गए हैं. इनमें चुखा, ताला, मांगदेछु और पुनातसांगछु II शामिल हैं. इन प्रोजेक्ट ने भूटान की बिजली बनाने की क्षमता को काफी बढ़ाया है. साथ ही भारत को बची हुई बिजली एक्सपोर्ट करने की उसकी ताकत को मजबूत किया है.

हाल ही में 570 मेगावाट के एक प्रोजेक्ट के विकास के लिए अडानी पावर और भूटान की सरकारी कंपनी के बीच लगभग 6000 करोड़ का एक बड़ा समझौता हुआ, इससे हाइड्रो पावर क्षेत्र में सहयोग और बढ़ा है.

भूटान के लिए बिजली का एक्सपोर्ट काफी जरूरी है - भूटान के लिए हाइड्रो पावर सिर्फ ऊर्जा का स्रोत नहीं है बल्कि उससे काफी ज्यादा है. भारत को बिजली का एक्सपोर्ट देश के लिए व्यावसायिक इनकम का एक बड़ा जरिया है. बिजली की बिक्री से होने वाली कमाई भूटान के आर्थिक विकास में योगदान देती है. साथ ही देश के अलग-अलग विकास कार्यों के लिए फंड जुटाने में मदद करती है.

बेल्जियम के पीएम का भारत दौरा, पीएम मोदी से मुलाकात के बाद 10 बड़े समझौते और फैसले

एजेंसी नई दिल्ली

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर भारत के आधिकारिक दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अहम मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर व्यापक चर्चा हुई। वार्ता के बाद व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, निवेश और सुरक्षा समेत 10 बड़े नतीजे सामने आए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इन 10 प्रमुख नतीजों की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की है।

1. पांच साल में दोगुना होगा भारत बेल्जियम व्यापार-रणधीर जायसवाल के साझा किए गए ब्योरे के मुताबिक, भारत और बेल्जियम ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। इससे भारतीय कारोबारियों और निर्यातकों के लिए आगे बढ़ने के नए अवसर पैदा होंगे। इसका सीधा फायदा रोजगार के क्षेत्र में भी देखने को मिल सकता है, खासकर भारतीय युवाओं के लिए। यह लक्ष्य प्रस्तावित भारत यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के अनुरूप भी है।

2. रक्षा सहयोग को मिलेगा नया आधार-दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को लेकर आशय पत्र पर सहमति जताई है। इससे भारत को उन्नत तकनीक, विशेषज्ञता और यूरोपीय रक्षा आपूर्ति श्रृंखलाओं तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही स्वदेशी रक्षा निर्माण, तकनीकी विकास, संयुक्त डिजाइन, संयुक्त विकास और संयुक्त उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। रक्षा क्षेत्र में निवेश और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

3. रक्षा कंपनियों के लिए खुलेगा सहयोग का रास्ता बेल्जियम सुरक्षा और रक्षा उद्योग संघ और सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स के बीच समझौता ज्ञापन हुआ है। इससे भारतीय रक्षा कंपनियों को बेल्जियम के बाजार, तकनीक और विशेषज्ञता तक पहुंच का स्थायी माध्यम मिलेगा। उन्नत रक्षा उत्पादन के स्थानीयकरण को समर्थन मिलेगा और घरेलू औद्योगिक क्षमता के साथ कुशल रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। यह आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के लक्ष्य को भी मजबूती देगा।

4. स्वच्छ ऊर्जा में बढ़ेगा सहयोग- भारत और बेल्जियम ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन किया है। इससे भारत के नवीकरणीय ऊर्जा बदलाव और शुद्ध शून्य लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। बेल्जियम और यूरोपीय संघ के साथ स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग मजबूत होगा। इसके तहत स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी बेल्जियम की विशेषज्ञता को साझा करने का रास्ता भी खुलेगा।

5. संगठित अपराध और साइबर अपराध पर साथ आएंगे- केंद्रीय जांच ब्यूरो और बेल्जियम की संघीय पुलिस के बीच अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध, साइबर अपराध और संबंधित मामलों से निपटने के लिए सहयोग समझौता हुआ है। इससे दोनों देशों के बीच अपराध और खुफिया जानकारी से जुड़ी सूचनाओं का समय पर आदान प्रदान आसान होगा। क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और बेहतर जांच प्रक्रियाओं को साझा करने से जांच एजेंसियों की क्षमता भी मजबूत होगी।

6. राजनयिक प्रशिक्षण में होगा सहयोग- भारत के सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान और बेल्जियम के विदेश मामलों के संघीय लोक सेवा विभाग के बीच राजनयिक प्रशिक्षण को लेकर सहयोग तय किया गया है। इससे दोनों देशों के राजनयिकों की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली, पाठ्यक्रम, विशेषज्ञता और बेहतर कार्यप्रणालियों का आदान प्रदान किया जा सकेगा।

7. ब्रसेल्स में स्थायी रक्षा अताशे की नियुक्ति- ब्रसेल्स स्थित भारतीय दूतावास में स्थायी रक्षा अताशे की नियुक्ति की जाएगी। इससे भारत और बेल्जियम के बीच नियमित रक्षा संपर्क के लिए संस्थागत व्यवस्था मजबूत होगी। रक्षा उद्योग से जुड़े मामलों पर भी बेहतर समन्वय हो सकेगा। दोनों देशों के बीच रक्षा स्तर का संपर्क और मजबूत करने में यह कदम अहम माना जा रहा है।

8. निवेश के लिए बनेगा फास्ट ट्रैक तंत्र- भारत और बेल्जियम के बीच निवेश के लिए फास्ट ट्रैक तंत्र स्थापित किया जाएगा। इसका उद्देश्य भारत में बेल्जियम के निवेश को बढ़ावा देना है। इससे तकनीक और ज्ञान का हस्तांतरण, नवाचार, विनिर्माण और रोजगार सृजन को गति मिल सकती है। साथ ही भारत को विदेशी निवेश के लिए और आकर्षक बनाने में मदद मिलेगी।

9. भारत बेल्जियम व्यापार मंच को संस्थागत रूप मिलेगा- भारत बेल्जियम व्यापार मंच को संस्थागत रूप दिया जाएगा। इससे भारतीय कारोबारियों को बेल्जियम और यूरोपीय कारोबारियों के साथ सहयोग के ठोस अवसर मिलेंगे। यह मंच दोनों देशों के कारोबारियों को साथ मिलकर काम करने, संयुक्त रूप से विकास करने और कारोबार से जुड़ी चुनौतियों का समाधान निकालने के लिए एक व्यवस्थित मंच उपलब्ध कराएगा।

10. वाणिज्यिक संवाद की होगी शुरुआत- भारत और बेल्जियम के बीच वाणिज्यिक संवाद की व्यवस्था स्थापित की जाएगी। इससे छात्रों, पेशेवरों, कारोबारियों और यात्रियों की आवाजाही से जुड़े मुद्दों को बेहतर तरीके से उठाया जा सकेगा। बेल्जियम में रहने वाले भारतीयों और भारतीय समुदाय की महत्वपूर्ण जरूरतों के समाधान के लिए एक व्यवस्थित मंच मिलेगा। भारत की वाणिज्यिक और कानूनी सहायता से जुड़ी मांगों को प्रभावी तरीके से उठाने में भी यह संवाद मदद करेगा।

अंतरिक्ष बना जंग का नया मैदान, अमेरिका-चीन में महाशक्ति बनने की होड़, भारत पर मंडराया खतरा

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका और चीन की दुश्मन पृथ्वी से अंतरिक्ष तक पहुंच गई है। दोनों देश ऐसी-ऐसी सैटेलाइट बना रहे हैं, जो अपनी दिशा बदल सकते हैं और दूसरे स्पेसक्राफ्ट के करीब जा सकते हैं। कुछ सैटेलाइट तो दुश्मन के सैटेलाइट पर हमला करने, उनका डेटा चुराने और उन्हें नष्ट करने में भी माहिर हैं। चीन ने चंद महीने पहले ही एक ऐसी सैटेलाइट लॉन्च की है, जिसने दूसरे चीनी सैटेलाइट का चक्कर लगाया और वापस लौट आया। इससे अमेरिका के लिए खतरा और ज्यादा बढ़ गया है। यह सब तब हो रहा है, जब दक्षिण चीन सागर में अमेरिका और चीन आमने-सामने हैं।जून में चीन के एक गुप्त बिना पायलट वाले स्पेसप्लेन ने कमर्शियल और मिलिट्री स्पेसक्राफ्ट से भरे ऑर्बिट वाले इलाके में एक छोटा सैटेलाइट छोड़ा। स्पेस-ट्रैकिंग कंपनी लियोलैब्स के अनुसार, यह सैटेलाइट फिर चीन के ही एक दूसरे सैटेलाइट के चारों ओर घूमा और उसके बाद वापस स्पेसप्लेन की तरफ चला गया। स्पेस-ट्रैकिंग डेटा और पूर्व सैन्य अधिकारियों के अनुसार, ऐसी गतिविधियां दिखाती हैं कि चीन कितनी तेजी से अंतरिक्ष में होने वाले युद्ध की तैयारियां कर रहा है, जो अमेरिका के लिए सीधा खतरा है। वर्तमान समय में सैटेलाइट की भूमिका काफी ज्यादा बढ़ी है। इनका इस्तेमाल सैन्य उपयोग में ज्यादा होने लगा है। ये कम्युनिकेशन, नेविगेशन, मौसम की जानकारी और इंटेलिजेंस प्रदान करते हैं। इससे जमीन पर मौजूद सेना के लिए लंबी दूरी तक के ऑपरेशन को चलाने में मदद मिलती है। इसके अलावा दुश्मन की सटीक लोकेशन और खुफिया जानकारी भी मिलती रहती है, जो आम तौर पर असंभव होगी। एक यह भी कारण है कि अंतरिक्ष में अमेरिका और चीन के बीच बादशाहत की होड़ मची हुई है। अमेरिका और चीन ऐसे सैटेलाइट भी बना रहे हैं, जो दूसरे सैटेलाइटों के करीब जा सकते हैं। उनकी जांच कर सकते हैं, पीछा कर सकते हैं और उन्हें नष्ट भी कर सकते हैं। चीनी रिसर्चर पहले से ही ऐसी टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं जो सैटेलाइट का पीछा करने और उन्हें पकड़ने में माहिर होंगे। इतना ही नहीं, इन सैटेलाइटों को रिफ्यूलिंग के जरिए लंबे समय तक इस्तेमाल में भी लाया जा सकता है। अमेरिका और चीन के बीच अंतरिक्ष युद्ध भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और रणनीतिक संप्रभुता के लिए एक गंभीर और सीधा खतरा है। चीन तेजी से अपने जासूसी और टोही सैटेलाइट का नेटवर्क बढ़ा रहा है। री-यूजेबल रॉकेट्स के जरिए चीन युद्ध के दौरान नष्ट हुए सैटेलाइट्स को तुरंत बदलने की क्षमता हासिल कर रहा है। चीन अपनी एडवांस सैटेलाइट तकनीकों और खुफिया जानकारी को पाकिस्तान के साथ साझा कर सकता है। इससे भारत के दोनों मोर्चों पर सैन्य संतुलन बिगड़ सकता है। इसके अलावा अमेरिका और चीन के अंतरिक्ष युद्ध से पैदा हुए मलबे भारत के सैटेलाइटों के लिए खतरा बन सकते हैं।

तेजस को मिली नई उड़ान, GE एयरोस्पेस ने HAL को सौंपे 3 F404 इंजन, बढ़ेगी वायु सेना की ताकत

एजेंसी नई दिल्ली

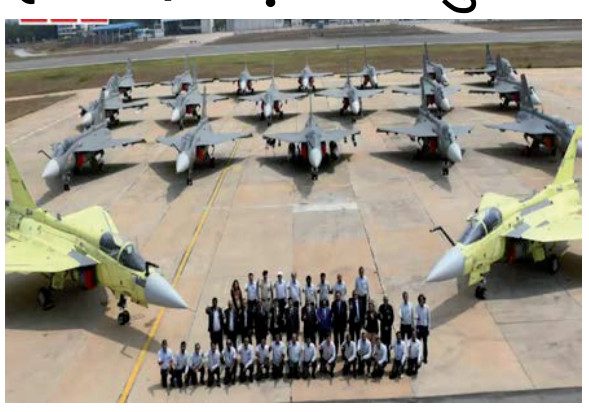

अमेरिकी रक्षा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी जीई एयरोस्पेस (GE Aerospace) ने भारत के स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) तेजस कार्यक्रम को गति देते हुए अगस्त में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) को तीन नए F404-IN20 इंजन सौंप दिए हैं। कंपनी ने गुरुवार को आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की। जीई एयरोस्पेस ने कहा कि उन्हें भारत के स्वदेशी फाइटर जेट्स को पावर देने के लिए HAL और भारतीय वायु सेना के साथ साझेदारी करने पर गर्व है। यह आपूर्ति ऐसे समय में हुई है जब इंजनों की कमी के कारण तेजस Mk1A लड़ाकू विमानों के निर्माण और डिलीवरी में देरी हो रही थी। आपूर्ति श्रृंखला की इस समस्या को दूर करने के लिए जीई एयरोस्पेस ने वर्ष 2026 की दूसरी छमाही (जून से दिसंबर के बीच) तक कुल 20 F404 इंजन सप्लाई करने का भरोसा दिलाया था। इस दिशा में अगस्त में भेजी गई इंजनों की यह पहली खेप एचएएल की असेंबली और प्रोडक्शन लाइन के लिए राहत बनकर आई है।

आपको बता दें कि भारतीय वायु सेना ने एचएएल को कुल 180 तेजस Mk1A विमानों का ऑर्डर दिया है। एचएएल की उत्पादन लाइन पूरी तरह तैयार है, लेकिन विमानों की समय पर डिलीवरी पूरी तरह से जीई इंजनों की उपलब्धता पर टिकी है। इंजनों की डिलीवरी में पूर्व में हुई देरी को लेकर एचएएल ने कॉन्ट्रैक्ट के तहत जीई एविएशन पर वित्तीय पेनल्टी (जुर्माना) भी लगाई है।

भारत रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए मदद को तैयार, जयशंकर ने रखा मध्यस्थता का प्रस्ताव

एजेंसी कीव

विदेश मंत्री एस जयशंकर यूक्रेन के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा के साथ द्विपक्षीय बैठक की है। इस दौरान जयशंकर ने कहा है कि भारत यूक्रेन युद्ध को खत्म करने में मदद के लिए तैयार है। गुरुवार को कीव में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी, तो भारत मध्यस्थता करने के लिए तैयार है। जयशंकर का यह प्रस्ताव तब आया है, जब चंद दिनों पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इस दौरान पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन में शांति की उम्मीद जताई थी और युद्ध रोकने की अपील की थी।

यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा के साथ मौजूद जयशंकर ने कहा, "अगर भारत किसी भी तरह से मदद कर सकता है, तो हम इसके लिए तैयार हैं।" उन्होंने यह भी बताया कि दोनों मंत्रियों के बीच ब्लैक सी (काला सागर) में कमर्शियल शिपिंग पर हो रहे हमलों के बारे में भी बातचीत हुई। विदेश मंत्री जयशंकर अभी यूक्रेन के दौरे पर हैं। इस दौरान, विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह अपने यूक्रेनी समकक्ष एंड्री सिबिहा और पोलैंड के उप-प्रधानमंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। आधिकारिक बयान में कहा गया, "इस यात्रा का मकसद द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाना और क्षेत्रीय घटनाक्रम व आपसी हित के मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान का मौका देना है।" यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब ब्लैक सी में रूस और यूक्रेन के बीच हालिया तनाव के दौरान भारतीय नाविक मारे गए और घायल हुए हैं। भारतीयों और अन्य नाविकों की सुरक्षा पर जोर देते हुए, नई दिल्ली ने बातचीत और कूटनीति के जरिए युद्ध खत्म करने की अपील भी की है। अगस्त 2024 में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूक्रेन की राजधानी कीव की यात्रा की थी और राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से कहा था कि यूक्रेन और रूस दोनों को युद्ध खत्म करने के लिए समय बर्बाद किए बिना एक साथ बैठना चाहिए। इस सप्ताह बिश्केक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई बैठक में, प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीति और बातचीत के जरिए संघर्ष को खत्म करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने बैठक की शुरुआत में कहा, "युद्ध में बिताया गया हर दिन मानवता को पीछे धकेलता है, जबकि शांति की ओर उठाया गया हर कदम मानवता में नयी उम्मीद एवं उत्साह भरता है। हमें अंतहीन युद्ध से युद्ध की समाप्ति की ओर बढ़ना चाहिए, जो मानवता की भलाई के लिए बहुत आवश्यक है।" उन्होंने कहा, "सभी मुद्दों का जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान मानवता की पुकार है और यही भारत का संदेश भी है। गांधी और बुद्ध की धरती का एक ही संदेश है: शांति का रास्ता।"

ऑपरेशन सिंदूर 2.0 का डर ? पाकिस्तानी नौसेना ने अरब सागर में शुरू किया युद्धाभ्यास

एजेंसी कराची

पाकिस्तानी नौसेना ने कराची बंदरगाह के पास अरब सागर में सैन्य अभ्यास शुरू किया है। इस नौसैनिक अभ्यास का नाम 'सीस्पार्क-2026' (SEASPARK-2026) है। इसमें पाकिस्तानी नौसेना की लगभग सभी यूनिटें हिस्सा ले रही हैं। इस कारण एक बड़े एरिया को नो फ्लॉई जोन घोषित किया गया है और उस इलाके में कार्गो जहाजों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। पाकिस्तानी नौसेना का यह युद्धाभ्यास भारत के ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के डर के बीच हो रही है। भारत ने स्पष्ट किया है कि अगर पाकिस्तान से फिर कोई आतंकी हमला होता है तो ऑपरेशन सिंदूर जारी है। सीस्पार्क-2026 अभ्यास के महत्व का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसकी शुरुआती ब्रीफिंग की अध्यक्षता पाकिस्तानी नौसेना प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ ने की। इसमें पाकिस्तानी सशस्त्र बलों की अन्य शाखाओं (थलसेना और वायुसेना) के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। यहां जारी एक बयान में कहा गया, "यह अभ्यास पारंपरिक और उभरते समुद्री खतरों के खिलाफ पाकिस्तान नेवी की युद्ध की तैयारी को सख्ती से परखता है। इसमें जहाज, पनडुब्बी, विमान, अनमैंड सिस्टम, मरीन, स्पेशल फोर्स और संयुक्त रूप से सेना और वायु सेना के हिस्सों को शामिल किया गया है।"

सैन्य अधिकारियों से मिलते पाकिस्तानी नौसेना प्रमुख

जल-थल-नभ में ताकत बढ़ा रहा पाकिस्तान

बयान में आगे कहा गया कि यह अभ्यास "समुद्री, हवाई, जमीनी, साइबर और अंतरिक्ष-आधारित क्षमताओं को मिलाकर" मल्टी-डोमेन ऑपरेशन का अभ्यास करने पर केंद्रित है। साथ ही, समुद्र में काइनेटिक ऑपरेशन के अलावा "सूचना युद्ध के क्षेत्र में निर्णायक बढ़त हासिल करने" के लिए सूचना के माहौल में ऑपरेशन पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इससे पहले, नेवल चीफ ने पाकिस्तान नेवी की फ्लीट यूनिट्स का दौरा किया और चल रहे ऑपरेशन की समीक्षा की। इस मौके पर बोलते हुए, उन्होंने जोर दिया कि बदलता सुरक्षा माहौल "बिना किसी समझौते के तैयारी, तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल, अनुकूलन क्षमता और भौतिक व सूचना डोमेन में प्रभावशीलता" की मांग करता है। इस अभ्यास में पाकिस्तानी नौसेना के दर्जनों युद्धपोत, पनडुब्बियां और गश्ती विमान शामिल हो रहे हैं। इस दौरान दुश्मन के ठिकाने पर हमले के साथ-साथ खुद के बचाव की तैयारियों को भी परखा जाएगा।

'काम अभी पूरा नहीं हुआ है' भारत के जिगरी दोस्त इजरायल के मोसाद चीफ का गेमप्लान, बेलारूसी प्रवासी से खुफिया प्रमुख बनने की कहानी

एजेंसी तेल अवीव

इजरायल को नया मोसाद प्रमुख मिल गया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले साल के आखिर में रोमन गोफमैन को इजरायल की विदेशी खुफिया एजेंसी मोसाद का प्रमुख नियुक्त किया। इससे पहले गोफमैन इजरायली सरकार के मिलिट्री सेक्रेटरी के तौर पर काम कर चुके थे और सुरक्षा मामलों में प्रशासन के सबसे भरोसेमंद लोगों में से एक बन गए थे। अक्सर 'हम एक महत्वपूर्ण दौर में पैदा हुए हैं' कहने वाले रोमन गोफमैन के सामने एक टारगेट अभी बाकी है, जिसे वो पूरा करना चाहते हैं। इजरायल भारत का अरसे से मजबूत दोस्त रहा है, जो भारत को तकनीक से लेकर रक्षा हथियार तक मुहैया कराता रहा है। 30 नवंबर 1976 को माजीर (जो उस समय बेलारूसी सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक का हिस्सा था) में जन्मे गोफमैन 1990 में अपने परिवार के साथ इजरायल आ गए थे। उस वक्त वह सिर्फ 14 साल के थे। उनका परिवार अशदोद में बस गया, जहां उन्होंने वहां के माहौल में घुलने-मिलने की शुरुआत की। इसी सफर ने उन्हें आगे चलकर इजरायल डिफेंस फोर्सेज (IDF) के सबसे अहम अधिकारियों में से एक बना दिया। रोमन गोफमैन जब 14 साल के थे, तब 1990 में उनका परिवार बेलारूस से निकलकर अशदोद में बस गया जहां उन्होंने वहां के माहौल में घुलने-मिलने की शुरुआत की। इसी सफर ने उन्हें आगे चलकर इजरायल डिफेंस फोर्सेज (IDF) के सबसे अहम अधिकारियों में से एक बना दिया। रोमन गोफमैन की निजी कहानी को अक्सर इजरायली संस्थाओं में पूर्व सोवियत संघ से आए प्रवासियों की तरक्की के उदाहरण के तौर पर पेश किया जाता है। अपनी मिलिट्री सर्विस शुरू करने से पहले, उन्होंने अशदोद में स्कूल की पढ़ाई की और बाद में पॉलिटिकल साइंस और नेशनल सिक्योरिटी में यूनिवर्सिटी की पढ़ाई की। रोमन गोफमैन की निजी कहानी को अक्सर इजरायली संस्थाओं में पूर्व सोवियत संघ से आए प्रवासियों की तरक्की के उदाहरण के तौर पर पेश किया जाता है। गोफमैन 1995 में आर्मर्ड कॉर्प्स के हिस्से के तौर पर इजरायली सेना में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने कई ऑपरेशन और संघर्षों में हिस्सा लिया, जिनमें दक्षिणी लेबनान, दूसरी इंतिफादा और गाजा में कई मिलिट्री कैंपेन शामिल थे। समय के साथ, वे ऊंचे ओहदों पर पहुंचे और इजरायल की जमीनी सेना में ज्यादा अहम कमांड पोजीशन संभालीं। गोफमैन की सबसे अहम जिम्मेदारियों में 7वीं आर्मर्ड ब्रिगेड, डिवीजन 210 और जमीनी सेना के नेशनल ट्रेनिंग सेंटर की कमान संभालना शामिल था। उनकी पहचान हमेशा ऑफिस के काम या पारंपरिक इंटेलिजेंस ड्यूटी के बजाय ऑपरेशनल एक्शन और युद्ध के मैदान में लीडरशिप से ज्यादा जुड़ी रही है। रोमन गोफमैन की पहचान हमेशा ऑफिस के काम या पारंपरिक इंटेलिजेंस ड्यूटी के बजाय ऑपरेशनल एक्शन और युद्ध के मैदान में लीडरशिप से ज्यादा जुड़ी रही है। ज्यादा प्रभावित करने वाली घटनाओं में से एक थी 7 अक्टूबर, 2023 को हमास का हमला। इजरायली सरकार के मुताबिक, गोफमैन आतंकवादी हमलों के शुरुआती जवाब में हिस्सा लेने के लिए अपना घर छोड़कर युद्ध क्षेत्र की ओर निकल पड़े। लड़ाई के दौरान, घुटने में गोली लगने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। नेतन्याहू ने बार-बार इस घटना का जिक्र गोफमैन के चरित्र और लीडरशिप के सबूत के तौर पर किया है और इस बात पर जोर दिया है कि हमास के हमले के शुरुआती अहम घंटों में फ्रंट लाइन पर जाने वाले सबसे ऊंचे ओहदे वाले अधिकारियों में से वे एक थे।

जूनियर एशिया कप में रिकॉर्ड छठा खिताब जीतने उतरेगी भारतीय टीम

एजेंसी नई दिल्ली

भारत की अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले एएचएफ जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में रिकॉर्ड छठा खिताब जीतने की कोशिश करेगी, जबकि महिला टीम लगातार तीसरी ट्रॉफी जीतने के लिए मैदान पर उतरेगी।
महिला टीम पिछले दो बार की चैंपियन है। इस बार उसकी अगुवाई मिडफील्डर खैदेम शिलेमा चानू कर रही हैं।
महिला टीम ने इस साल की शुरू में पद संभालने वाले मुख्य कोच टिम व्हाइट की देखरेख में कड़ा अभ्यास किया है। टीम ने इस दौरान अपनी तैयारी के सिलसिले में ब्रिटेन का दौरा भी किया, जहां उसने स्कॉटलैंड की सीनियर महिला टीम, अमेरिका अंडर-21, इंग्लैंड अंडर-21 और बेल्जियम अंडर-21 के खिलाफ मैच खेले।
एलीट पूल में शामिल भारत पांच सितंबर को दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। इसके बाद वह छह सितंबर को मलेशिया, आठ सितंबर को जापान और नौ सितंबर को मेजबान चीन का सामना करेगा।
हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति में व्हाइट ने कहा हमारा पहला मैच शनिवार को दक्षिण कोरिया के खिलाफ है, इसलिए हम उसकी तैयारी कर रहे हैं। टीम परिस्थितियों के अनुकूल ढल चुकी है। मौसम थोड़ा ठंडा है, लेकिन परिस्थितियां अनुकूल हैं और हम पहले मैच के लिए बेहद उत्सुक हैं।
उन्होंने कहा 'हमें लगता है कि हमारी खेल की शैली अच्छी है और हम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि हमारी रणनीति सर्वश्रेष्ठ टीमों के सामने कितनी कारगर साबित होती है। मुझे पूरा विश्वास है कि लड़कियां भारत का नाम रोशन करेंगी।
भारतीय पुरुष टीम इस प्रतियोगिता में पिछली तीन बार की चैंपियन है। उसने अब तक पांच बार महाद्वीपीय खिताब जीता है।
डिफेंडर अनमोल एक्का टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि नव नियुक्त कोच फ्रेडरिक सोयेज अपने कार्यकाल की शुरुआत जीत से करना चाहेंगे।
पुरुष टीम ने भी अच्छी तैयारी की है। उसने अपनी तैयारी के तहत बेल्जियम का दौरा भी किया जहां उसने ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड की अंडर-21 टीमों के खिलाफ मैच खेले।
टीम ने बेंगलुरु में मलेशिया की अंडर-21 टीम के खिलाफ घरेलू मैदान पर मैत्री मैचों की एक श्रृंखला भी खेली। इसके अलावा उसने डालियान में मेजबान चीन के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला भी खेली।
कोच सोयेज ने कहा हमारी प्रगति काफी अच्छी रही है। चीन के खिलाफ पिछला (मैत्रीपूर्ण) मैच (जिसमें भारत ने 8-2 से जीत हासिल की) बहुत सकारात्मक रहा।
उन्होंने कहा इस जीत से टूर्नामेंट से पहले हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। हमने डालियान में एक सप्ताह बिताया, चीन की परिस्थितियों से तालमेल बिठाया और फिर शनिवार को इंडोनेशिया के खिलाफ अपने पहले मैच से पहले मोकी पहुंचे।
भारत पूल ए में पांच सितंबर को इंडोनेशिया के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। मौजूदा चैंपियन टीम छह सितंबर को जापान, आठ सितंबर को दक्षिण कोरिया और नौ सितंबर को चीनी ताइपे का सामना करेगी।

स्विंग के सुल्तान इरफान पठान ने लिखा मोहम्मद शमी के लिए मैसेज, बोले- जीरो सीम के बादशाह मजबूत बने रहो

एजेंसी नई दिल्ली

भारत के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का आज जन्मदिन है। 2012 में शमी ने भारत के लिए डेब्यू किया था। 2025 के बाद उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला है। इस बीच शमी ने दुनिया भर में अपनी बॉलिंग की धाक जमाई। वनडे में वह 64 टेस्ट में शमी के 229 और सिर्फ 108 वनडे में 206 विकेट हैं। वह विश्व कप 2023 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।
भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर इरफान पठान ने मोहम्मद शमी को बर्थडे की बधाई दी है। एक्स पर शमी की 2023 विश्व कप के दौरान की फोटो शेयर करके पठान ने लिखा, 'जीरो सीम के बादशाह को जन्म दिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। मोहम्मद शमी जन्मदिन मुबारक हो भाई। मजबूत बने रहो।'
मोहम्मद शमी 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में आखिरी बार भारत के लिए खेले थे। भारत ने खिताब जीता था और शमी संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज थे। इसके बाद से उन्हें टीम में जगह नहीं मिल रही है। वह घरेलू क्रिकेट में लगातार खेल रहे हैं और विकेट भी ले रहे हैं। इसके बाद भी चयनकर्ता टीम इंडिया में शमी को मौका नहीं दे रहे हैं। मीडिया में शमी और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच बयानबाजी भी देखने को मिली।
चयनकर्ता मोहम्मद शमी को टीम में नहीं चुनने की वजह उनकी फिटनेस बता रहे हैं। हालांकि शमी लगातार घरेलू क्रिकेट में खेल रहे हैं। शमी ने कहा कि अगर वह रणजी ट्रॉफी में खेल रहे हैं तो पूरी तरह फिट है। उन्होंने दावा किया कि चयनकर्ताओं से उनकी कोई बात नहीं हुई है। इसके जवाब में अजीत अगरकर ने कहा कि शमी भारत के महान खिलाड़ी हैं, लेकिन यदि उनका शरीर लंबे फॉर्मेट की कड़ी चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है, तो चयन करना संभव नहीं है। अगरकर ने कम्युनिकेशन की कमी पर कहा था कि अगर शमी उनसे सीधे बात करते, तो वह इसका जवाब जरूर देते।

आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलेंगे धोनी

एजेंसी नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलना चाहते हैं, जिससे 2027 में होने वाले टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी को लेकर बनी अनिश्चितता में एक और नया मोड़ आ गया है। सीएसके के पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने यह खुलासा किया। यह अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज इम्पैक्ट प्लेयर नियम से अपना कार्यभार कम करके आईपीएल में अपना करियर आगे बढ़ा सकते थे लेकिन उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि अगर वह खेलना जारी रखते हैं तो वह पूर्णकालिक विकेटकीपर बने रहना चाहते हैं। बद्रीनाथ का मानना है कि 45 वर्षीय धोनी के लिए उनके करियर के इस चरण में इम्पैक्ट प्लेयर की भूमिका उपयुक्त हो सकती है, क्योंकि उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए 20 ओवर तक विकेटकीपिंग करना आसान नहीं होगा। बद्रीनाथ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा उन्होंने मुझे बताया कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलेंगे। वह खुद को पूर्णकालिक विकेटकीपर मानते हैं, जिसका मतलब है कि उन्हें पूरे 20 ओवर तक मैदान पर रहना होगा। इसलिए वह इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलेंगे, लेकिन मुझे लगता है कि अगर वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलते हैं तो इससे सीएसके को रणनीतिक फायदा होगा। उन्होंने कहा उनके लिए लंबे समय तक खेलना मुश्किल होगा जैसा कि (सीएसके के पूर्व मुख्य कोच स्टीफन) फ्लेमिंग ने भी कहा है। वे 16वें ओवर के बाद ही बल्लेबाजी करेंगे और विकेटकीपिंग करेंगे। जब उनकी भागीदारी इतनी कम है तो इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेलना उनके लिए आदर्श स्थिति होगी।
धोनी पिछले कुछ सत्र में फिटनेस संबंधी समस्याओं से जूझते रहे हैं और आईपीएल में उनके भविष्य को लेकर अटकलें जारी हैं। बद्रीनाथ का मानना है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम धोनी पर काम का बोझ कम कर सकता है। इससे सीएसके उनके अनुभव और 'फिनिशर' के रूप में उनकी भूमिका का फायदा उठा सकता है। विकेटकीपर के रूप में खेलना जारी रखने की धोनी की प्राथमिकता का मतलब है कि सीएसके को अगले साल आईपीएल में उनकी भागीदारी पर फैसला करने के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सीएसके को पांच आईपीएल खिताब दिलाने वाले धोनी ने 2024 के सत्र से पहले कप्तानी छोड़ दी और तब से बल्लेबाज के रूप में भी उनकी भूमिका सीमित हो गई है।

सचिन, धोनी, विराट, रोहित सहित भारतीय क्रिकेट दिग्गजों के 4 'झूठे वादे', जो शायद ही सच में बदल सके

एजेंसी नई दिल्ली

क्रिकेट भारत में सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि लोगों को जोड़ने वाली एक भावना है। जब मैदान पर टीम इंडिया उतरती है, तो देश के अलग-अलग हिस्सों, धर्मों और जातियों के लोग अपनी तमाम पहचान पीछे छोड़कर एक साथ भारतीय टीम को सपोर्ट करते नजर आते हैं। फैंस के लिए क्रिकेट सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह उनके जज्बात और जुनून से जुड़ा हुआ है। यही वजह है कि देश में क्रिकेटर्स को सिर्फ खिलाड़ी नहीं, बल्कि किसी सितारे से कहीं बढ़कर दर्जा मिलता है। कई क्रिकेटरों को तो फैंस भगवान की तरह पूजते हैं। मैदान पर उनकी एक पारी, एक विकेट या एक जीत करोड़ों भारतीयों के चेहरे पर खुशी ला सकती है। भारतीय क्रिकेटर्स से जुड़े कुछ ऐसे झूठ हैं, जो फैंस चाहते थे कि सच साबित हो लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। सचिन तेंदुलकर ने 100 शतक लगाने के बाद कहा था कि विराट कोहली या रोहित शर्मा उनका रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। रोहित तो दूर दूर तक उनके करीब हैं। विराट पास तो पहुंच गए हैं लेकिन उनका सचिन से आगे निकलना काफी मुश्किल लग रहा है। वनडे क्रिकेट में 10 हजार से ज्यादा रन बनाने वाले और तीन आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले महेंद्र सिंह धोनी का एक बयान काफी वायरल होता है। इसमें उन्होंने कहा था- कल कोई और भी आएगा, जो मुझसे अच्छा खेलेगा। धोनी ने 2023 में आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था। भारत को वनडे में अभी तक उनके जैसा फिनिशर और विकेटकीपर नहीं मिला है।
ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट कप्तान होने के बाद भी रोहित शर्मा प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे। मैच के दौरान रोहित ने इंटरव्यू में कहा कि मैं कहीं नहीं जा रहा हूं। इसके बाद रोहित ने भारत के लिए कोई टेस्ट नहीं खेला और अगली सीरीज से पहले ही संन्यास का ऐलान कर दिया।
विराट कोहली ने 10 हजार रन पूरे होने से पहले ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। विराट ने खुद कहा था कि वह टेस्ट में 10000 रन बनाना चाहते हैं। 2013 में आजतक पर विराट ने कहा था- मेरा लक्ष्य टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन बनाना है और मैं इसे हासिल करना चाहता हूं।

व्यापार

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर फंसा पेंच! पीयूष गोयल ने बता दिया कब फाइनल होगा समझौता, सामने रखी ये शर्त

एजेंसी नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) को लेकर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि भारत इस समझौते की अंतिम जानकारी तभी घोषित करेगा, जब अमेरिका भारत को उसके प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर यानी प्राथमिकता वाले टैरिफ की पेशकश करेगा। पीयूष गोयल ने 'Leveraging FTAs Outreach' कार्यक्रम के तहत आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा, 'जैसे ही अमेरिका हमें अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बेहतर दर देने में सक्षम होगा, हम BTA को अंतिम रूप देंगे और इसकी अंतिम जानकारी की घोषणा करेंगे।' भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। भारत का जोर इस बात पर है कि समझौते से भारतीय कारोबारियों और निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बेहतर बाजार पहुंच और टैरिफ का लाभ मिले।
गोयल ने कहा कि भारत अपने हितों को ध्यान में रखते हुए व्यापार समझौतों को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन देशों के साथ भारत पहले ही व्यापार समझौते कर चुका है, उनसे घरेलू कारोबारियों के लिए निर्यात के नए अवसर खुल रहे हैं। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत आने वाले महीनों और वर्षों में कई अन्य देशों और समूहों के साथ व्यापार समझौते करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इनमें कनाडा, मेक्सिको, चिली, ब्राजील के नेतृत्व वाला मर्कोसुर ग्रुप, दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (SACU), खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) और इजरायल शामिल हैं।
इन समझौतों का उद्देश्य भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए विदेशी बाजारों में बेहतर पहुंच बनाना और निर्यात को बढ़ावा देना है। भारत और अमेरिका के बीच एग्रीमेंट को लेकर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। 22 से 24 जून के दौरान अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि एंबेसडर जेमिसन ग्रीर के भारत दौरे के दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ समझौते के प्रमुख मुद्दों की समीक्षा की थी। इनमें मार्केट एक्सेस बढ़ाना, डिजिटल ट्रेड, सप्लाई चेन को मजबूत करना, गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग जैसे मुद्दे शामिल थे। दोनों पक्षों ने ऐसे समझौते के लिए प्रतिबद्धता दोहराई थी, जो संतुलित हो और दोनों देशों के कारोबारियों, किसानों, कर्मचारियों और उपभोक्ताओं के लिए व्यावहारिक लाभ लेकर आए। 2025 में भारत का अमेरिका को कुल माल निर्यात 103.82 अरब डॉलर रहा, जबकि अमेरिका से भारत का माल आयात करीब 45.6 अरब डॉलर था इस तरह दोनों देशों के बीच कुल वस्तु व्यापार लगभग 149.42 अरब डॉलर रहा।
वहीं, 2025 में दोनों देशों के बीच सेवाओं का व्यापार 92.23 अरब डॉलर रहा। इसमें भारत ने अमेरिका को 48.67 अरब डॉलर की सेवाओं का निर्यात किया, जबकि अमेरिका से भारत ने 43.56 अरब डॉलर की सेवाएं आयात कीं। फरवरी में भारत और अमेरिका ने पारस्परिक और दोनों देशों के लिए लाभकारी व्यापार के आधार पर एक अंतरिम समझौते के लिए फ्रेमवर्क की घोषणा की थी। इसके साथ ही दोनों देशों ने व्यापक BTA पर बातचीत जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई थी।

'मैं हैरान था...', GDP पर उठे सवालों से भड़के नीलकंठ मिश्रा, बोले- 7.5% ग्रोथ संभव, पेश किए ये सबूत

एजेंसी नई दिल्ली

विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक और जाने-माने अर्थशास्त्री नीलकंठ मिश्रा ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर के आंकड़ों में हेरफेर या फुलाव के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने ऐसे तर्कों और दावों को 'गलत जानकारी पर आधारित' और 'बेहद गलत' बताया है। उन्होंने ऐसे गलत दावों पर हैरानी कहा कि वास्तविक आर्थिक संकेतक देश की मजबूत अर्थव्यवस्था की गवाही दे रहे हैं।
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बात रखते हुए मिश्रा ने स्पष्ट किया कि राजकोषीय और मौद्रिक नीतियां अगर तटस्थ भी रहें, तब भी भारतीय अर्थव्यवस्था 7.5% की दर से आसानी से वृद्धि कर सकती है। मिश्रा ने कहा कि अर्थव्यवस्था की मजबूती केवल जीडीपी आंकड़ों में नहीं, बल्कि कई ऐसे आर्थिक संकेतकों में भी दिखाई दे रही है जिन्हें कृत्रिम रूप से प्रभावित करना मुश्किल है।
हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8% रही, जो पिछले साल की समान अवधि की 6.9% दर और आरबीआई के 7% के अनुमान से बेहतर है। विवाद तब बढ़ा जब नई राष्ट्रीय आय सीरीज में पिछले साल की मौजूदा कीमतों पर जीडीपी के अनुमान को 86 लाख करोड़ रुपये से घटाकर 80 लाख करोड़ रुपये किया गया। कुछ आलोचकों और अर्थशास्त्रियों ने दावा किया कि इस कम बेस के कारण ही इस साल की जीडीपी ग्रोथ ज्यादा दिख रही है।
मिश्रा ने इस तर्क पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वह यह देखकर हैरान थे कि कुछ लोगों ने दावा किया कि अगर जून 2025 की पुरानी जीडीपी बेस सीरीज को बरकरार रखा जाता तो जून 2026 की ग्रोथ काफी कम होती। उन्होंने आलोचना का जवाब देते हुए ये बातें भी रखीं: उन्होंने कहा कि यह दावा पूरी तरह से निराधार है कि यदि जून 2025 के 'मूल बेस' का उपयोग किया जाता, तो जून 2026 की विकास दर काफी कम होती।
फरवरी 2026 में लागू नई जीडीपी सीरीज ने डेटा की गुणवत्ता को साफ किया है और कार्यप्रणाली में सुधार किया है, जिससे वास्तविक उत्पादन के अनुमानों की विश्वसनीयता बढ़ी है। मिश्रा के अनुसार, राजकोषीय दबाव कम होने और क्रेडिट ग्रोथ में तेजी आने से आने वाले समय में भारत की ट्रेंड ग्रोथ रेट 7% से ऊपर और 7.5% तक बनी रह सकती है। अर्थव्यवस्था की मजबूती के वास्तविक सबूत नीलकंठ मिश्रा ने जोर देकर कहा कि अर्थव्यवस्था की वास्तविक ताकत उन हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर्स में स्पष्ट दिखाई दे रही है, जिन्हें बदला या हेरफेर नहीं किया जा सकता। इसके लिए उन्होंने ये सबूत दिए:bउन्होंने कहा कि अगस्त महीने में कार और एसयूवी में सालाना आधार पर 35% की भारी वृद्धि हुई है। इसके अलावा टू-व्हीलर की बिक्री में 20% और कमर्शियल वाहनों में 40% से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।
टैक्स कलेक्शन की वृद्धि दर में काफी सुधार हुआ है, जो आर्थिक गतिविधियों के मजबूत होने का सबसे ठोस सबूत है।

5 हजार बनेगा 3.25 करोड़! आखिर जल्दी क्यों शुरू करनी चाहिए रिटायरमेंट प्लानिंग

एजेंसी नई दिल्ली

लोग कई प्रकार की फाइनेंशियल प्लानिंग करते हैं। इनमें से एक होता है रिटायरमेंट के लिए प्लानिंग। वित्तीय क्षेत्र के दिग्गज जानकार बताते हैं कि जितनी कम उम्र में या जितनी जल्दी रिटायरमेंट प्लानिंग के जरिए निवेश की शुरुआत कर दी जाए, उसका फायदा उतना ही अधिक होता है। इससे आप रिटायरमेंट के समय काफी सुकून महसूस करते हैं। जानकार बताते हैं कि कम उम्र में रिटायरमेंट के लिए वित्तीय प्लानिंग करने पर आपको कंपाउंडिंग यानी कि निवेश पर चक्रवृद्धि ब्याज का भी फायदा होता है। इससे छोटे से निवेश वाला फंड भी एक समय पर काफी बड़ा हो जाता है। हम यहां समझेंगे कि कैसे हर महीने सिर्फ 5000 रुपये का निवेश करीब 3.25 करोड़ रुपये का मोटा फंड बन जाएगा। लेकिन, इससे पहले हम यह जानेंगे कि कम उम्र में रिटायरमेंट प्लानिंग के क्या-क्या बड़े फायदे हैं। आज के समय में आप देखें तो महंगाई आय दिन बढ़ती जा रही है। खाने के सामान से लेकर के पहनने के सामान तक सब कुछ महंगा हो रहा है। यह महंगाई थोड़ी बहुत उतार-चढ़ाव के साथ आपको आने वाले समय में भी देखने को मिलती रहेगी, लेकिन इस बीच बचत आपके लिए अहम हो जाती है। रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए बचत काफी खास है। अगर आप कम उम्र में ही कुछ-कुछ पैसों को जुटाकर बचत करने लगे तो रिटायरमेंट तक आपके पास एक मोटी रकम हो सकती है। आप यह बचत किसी बैंक स्कीम, सरकारी स्कीम, शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, एसआईपी के जरिए कर सकते हैं। इससे आसानी से एक समय बाद बड़ा फंड तैयार हो जाता है। यह फंड आपको रिटायरमेंट के समय और उसके बाद के जीवन के लिए काफी मददगार होता है। बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य समस्याएं भी बढ़ती जाती हैं। ऐसे में सबसे अधिक जरूरी इलाज के लिए पैसों की होती है। आप इसको भी रिटायरमेंट प्लानिंग के जरिए अच्छा बना सकते हैं। आप कम उम्र से ही अलग-अलग योजनाओं में निवेश करके इसके लिए फंड जुटा सकते है। इतना ही नहीं आप कुछ फंड्स को जुटाने के बाद हेल्थ इंश्योरेंस भी ले सकते हैं, जो आपको रिटायरमेंट के बाद बिना किसी सैलरी के रहते हुए भी इमरजेंसी के समय आर्थिक मदद कर सकता है।

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह एक बार फिर आम्रपाली दुबे के साथ अपने पुराने रिश्ते और पवन सिंह से जुड़े विवाद को लेकर चर्चा में हैं। आम्रपाली दुबे ने हाल ही में शो 'भोजपुरी बवाल' में दावा किया था कि जब अक्षरा के मुश्किल दौर में इंडस्ट्री का एक बड़ा हिस्सा उनसे दूरी बना रहा था, तब उन्होंने खुलकर उनका साथ दिया था।

अक्षरा सिंह ने आम्रपाली दुबे के बयान पर तोड़ी चुप्पी

● बोलीं- 'किसी की निजी गरिमा का हिसाब देने नहीं बैठी हूं'

आम्रपाली ने कहा कि अगर अक्षरा के साथ खड़े होने की वजह से पवन सिंह उनसे नाराज होते या उनके साथ काम नहीं करना चाहते, तो उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। अब अक्षरा सिंह ने आम्रपाली के इन बयानों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह किसी की मदद या अपने रिश्तों का हिसाब लेकर मीडिया के सामने नहीं बैठना चाहतीं। यह बहुत पुरानी बात है और अब इसे बार-बार सामने लाने की जरूरत नहीं है। अक्षरा ने कहा, ''मैं इस बारे में कोई लिस्ट लेकर नहीं बैठी हूं कि मीडिया में आकर यह बताऊं कि मैंने क्या किया, किसने क्या किया या उसने क्या किया। हर इंसान की गरिमा होती है और मुझे लगता है कि हमें इसे मनोरंजन का साधन नहीं बनाना चाहिए। मैं इस बारे में बार-बार क्या ही बोलूं, यह तो बहुत पुरानी बात हो चुकी है। मुझे इन सब बातों पर हंसी आती है। अब यह बात नहीं निकलनी चाहिए। इस बात को जमाना हो गया है।''

अक्षरा ने खास तौर पर आम्रपाली के उस बयान पर भी बात की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अक्षरा ने बाहर आकर यह कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, जबकि वह मुश्किल समय में उनके साथ थीं। अक्षरा ने कहा, ''आम्रपाली को मेरी किसी बात से तकलीफ हुई थी, तो उन्हें सीधे फोन करके पूछना चाहिए था। अगर किसी बात को लेकर गलतफहमी थी, तो दोनों के बीच बातचीत से उसे साफ किया जा सकता था। अब वह किसी एक बात को लेकर रो रही हैं। मुझे इस बारे में इतनी जानकारी नहीं है कि वे वास्तव में किस बात को लेकर रो रही हैं। मुझे अभी तक यह भी समझ में नहीं आया है कि आखिर क्या बात हुई है?''

इस पूरे मामले की शुरुआत आम्रपाली दुबे के 'भोजपुरी बवाल' में दिए बयान से हुई। शो में होस्ट शुभंकर मिश्रा ने उनसे सवाल किया था कि उन पर आरोप है कि उन्होंने अक्षरा को छोटी बहन माना, उनके साथ तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन जब अक्षरा मुश्किल दौर से गुजर रही थीं, तब वह उनके साथ खड़ी नहीं हुईं।

इसके जवाब में आम्रपाली ने कहा था कि उन्होंने उस समय अक्षरा का साथ दिया था, जब इंडस्ट्री में यह चर्चा थी कि अक्षरा के साथ नजर आने पर पवन सिंह उनके साथ काम करना बंद कर देंगे। इसके बावजूद उन्होंने अक्षरा के साथ खड़ा होना चुना। उस दौर में जब लोग अक्षरा के साथ तस्वीरें तक खिंचवाने से बच रहे थे, तब मैं उनके साथ खड़ी थी। पवन सिंह के नाराज होने की भी मैंने परवाह नहीं की। जब अक्षरा ने बाद में कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, तो मुझे बहुत दुख हुआ। अक्षरा को मैंने छोटी बहन दिल से माना था और उनकी बातों ने मुझे चोट पहुंचाई।

आम्रपाली ने दावा किया कि पवन सिंह की शादी वाले दिन उन्होंने अक्षरा के लिए उनसे फोन पर बहस की थी। वह पवन से पूछ रही थीं कि वह ऐसा क्यों कर रहे हैं?

दरअसल, अक्षरा सिंह और पवन सिंह का रिश्ता लंबे समय तक भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चा का विषय रहा। दोनों के रिश्ते के टूटने के बाद अक्षरा ने पवन पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। साल 2019 में उन्होंने पवन सिंह के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी, जिसमें धमकी देने और सोशल मीडिया पर उनकी छवि खराब करने जैसे आरोप लगाए गए थे। ब्रेकअप के बाद अक्षरा ने कई मौकों पर यह भी कहा था कि उन्हें इंडस्ट्री में अकेलेपन और मुश्किल दौर का सामना करना पड़ा। वहीं आम्रपाली और अक्षरा की दोस्ती को लेकर भी समय के साथ कई तरह की बातें सामने आती रहीं।

इसी बीच अक्षरा अपने काम को लेकर भी चर्चा में हैं। वह हिंदी फिल्म 'ईठा' में श्रद्धा कपूर के साथ नजर आएंगी। अक्षरा ने कहा, ''इस फिल्म का हिस्सा बनने पर मैं बेहद खुश हूं और निर्देशक लक्ष्मण उतेकर के साथ काम करना मेरे लिए बड़ा मौका है। मैं इस अवसर के लिए श्रद्धा कपूर की भी शुक्रगुजार हूं।''

एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी चर्चित फिल्म 'मिर्जापुरः द फिल्म' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में एक बार फिर वह गोलू गुप्ता के अपने पसंदीदा किरदार में नजर आने वाली हैं।

'मिर्जापुर' की गोलू और श्वेता त्रिपाठी में क्या है खास समानता एक्ट्रेस ने खुद किया खुलासा

गोलू का किरदार श्वेता के करियर के सबसे चर्चित किरदारों में से एक रहा है। अब एक्ट्रेस ने बताया है कि गोलू और उनमें सबसे बड़ी समानता किताबों के प्रति प्यार है, इसलिए जब उन्हें गोलू के किरदार में किताबों से लगाव को समझाने का सीन किया, तो इसके लिए उन्हें अलग से तैयारी या रिसर्च करने की जरूरत नहीं पड़ी। श्वेता ने कहा, ''हर कलाकार की इच्छा होती है कि उसे कभी ऐसा किरदार मिले, जिसमें उसके व्यक्तित्व का कोई हिस्सा पहले से मौजूद हो। मेरे लिए गोलू कुछ ऐसा ही किरदार रही है। किताबों के प्रति गोलू का लगाव मुझे बहुत अपना लगा, क्योंकि मैं खुद भी कई सालों से किताबें पढ़ती आ रही हूं। मैं अक्सर किताबों की दुकान पर यह सोचकर जाती हूं कि मैं सिर्फ किताबें देखूंगी, लेकिन वहां से कम से कम तीन किताबें लेकर ही निकलती हूं।''

श्वेता ने कहा, ''पढ़ने की आदत ने मेरे सोचने और दुनिया को देखने का तरीका भी बदल दिया है। किताबों ने मुझे अलग-अलग तरह के लोगों को समझने में मदद की। एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी होता है, क्योंकि किसी किरदार को निभाने से पहले यह समझना पड़ता है कि वह व्यक्ति किसी स्थिति में वैसा व्यवहार क्यों कर रहा है। किताबें इंसान को अपनी जिंदगी से बाहर निकले बिना कई अलग-अलग लोगों और उनकी जिंदगियों को समझने का मौका देती हैं।''

एक्ट्रेस ने कहा, ''किताबों ने मुझे लोगों के बारे में तुरंत राय बनाने से भी बचाया है। पढ़ने की वजह से मैं दूसरों को ज्यादा समझ पाती हूं और मेरे अंदर दूसरों की भावनाओं को महसूस करने की क्षमता बढ़ी है। इसके साथ ही किताबों ने मेरे अंदर लगातार कुछ नया जानने और सीखने की इच्छा भी बनाए रखी है। यही वजह है कि मुझे गोलू के किरदार में भी अपनी सोच की झलक दिखाई देती है।''

श्वेता ने कहा, ''गोलू और मेरे बीच सिर्फ किताबें ही एक समान चीज नहीं हैं। हम दोनों में सवाल पूछने और हर बात को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करने की आदत भी है। हम दोनों कुछ नया सीखने को लेकर उत्सुक रहती हैं, लेकिन हमारे स्वभाव में एक बड़ा अंतर है। गोलू काफी शांत और कम बोलने वाली है, जबकि मैं खुद बातचीत करना और अपनी भावनाओं को खुलकर जाहिर करना पसंद करती हूं।''बता दें कि 'मिर्जापुरः द फिल्म' का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर प्रस्तुत किया है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर इसके निर्माता हैं, जबकि कासिम जगमगिया और

इस किताब को पढ़कर बदला राशि खन्ना का नजरिया

बोली- ये किताब थेरेपी जैसी लगी

। अभिनेत्री राशि खन्ना धीरे धीरे अब हिंदी सिनेमा में अपनी धाक जमाकर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने हाल ही में 'द मिडनाइट लाइब्रेरी' पढ़ी, जिसने उनके नजरिए को बदलकर रख दिया है। अभिनेत्री राशि खन्ना ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वे 'द मिडनाइट लाइब्रेरी' पढ़ती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस किताब ने उनके जीवन में थेरेपी की तरह काम किया है। तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, ''द मिडनाइट लाइब्रेरी- मैट हेग की किताब'। ये किताब मुझे एक थेरेपी की तरह लगी, जिसके बारे में मुझे पता ही नहीं था कि मुझे इसकी जरूरत है। '

अभिनेत्री ने बताया कि इस किताब ने उनके जीवन को उन पहलुओं पर सोचने पर मजबूर किया है, जिसके बारे में उन्होंने कभी सोचा ही नहीं था। उन्होंने लिखा, 'इसने मुझे सोचने पर मजबूर किया कि हम कितनी आसानी से उन जिंदगियों को अच्छा समझ लेते हैं जो हम जी सकते थे और उन फैसलों पर पछताते हैं जो हमने नहीं लिए, बिना ये जाने कि क्या वो जिंदगियां सच में बेहतर होतीं।

अभिनेत्री ने आखिरी में लिखा, 'हमें सिर्फ एक ही जिंदगी मिलती है और हम इसे अपने फैसलों से बनाते रहते हैं और शायद जिंदगी का मतलब ये सोचना नहीं है कि हम कौन बन सकते थे, बल्कि उस इंसान को पूरी तरह से जीना है जो हम बन रहे हैं। '

'द मिडनाइट लाइब्रेरी', ब्रिटिश लेखक मैट हेग का एक अत्यंत लोकप्रिय और विश्व स्तर पर प्रशंसित उपन्यास है, जो अगस्त 2020 में प्रकाशित हुआ था। यह पुस्तक जीवन के अर्थ, पछतावे और उम्मीद पर आधारित है।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने अपने निजी जिंदगी के बारे में दिलचस्प बात शेयर की है।

प्रियंका चोपड़ा को याद आया 2017 का समर

बताया कब दिया था निक जोनस को अपना नंबर

अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उस समर को याद किया, जब उन्होंने पति निक जोनस को अपना नंबर दिया था। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक मोंटाज वीडियो पोस्ट किया, जिसमें पति निक जोनस के शुरुआती दिन, यात्राएं और पारिवारिक यादें शामिल हैं। अभिनेत्री ने लिखा, 'ओह हां! मुझे याद है वो गर्मी, जब मैंने तुम्हें अपना नंबर दिया था... लगभगः गर्मी 2017 साउंड ऑन न्यू सॉन्ग आउट नाउ 7 ' अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के वीडियो में गोवा में फैमिली हॉलिडे की एक तस्वीर भी शामिल थी, जिसमें अभिनेत्री की छोटी बहन और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा, भाई सिद्धार्थ चोपड़ा और परिवार के दूसरे सदस्य एक साथ पोज दे रहे हैं। परिणीति ने वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'वाह, वह गोवा ट्रिप बहुत ही खास थी। ' प्रियंका और निक की लव स्टोरी की बात करें तो, कपल की पहली मुलाकात फरवरी 2017 में वैनिटी फेयर ऑस्कर की आफ्टर पार्टी में हुई थी, लेकिन निक महीनों पहले ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डीएम पर मैसेज किया था। दोनों न्यूयॉर्क में ड्रिंक्स के लिए मिले और बाद में राल्फ लॉरेन ने उन्हें 2017 मेट गाला में साथ आने के लिए इनवाइट किया था।

निक जोनस ने 19 जुलाई 2018 को प्रियंका चोपड़ा को प्रपोज किया था। इसके लिए उन्होंने लंदन में टिफनी एंड कंपनी का पूरा स्टोर बंद कराकर उनके लिए परफेक्ट इंगेजमेंट रिंग चुनी थी। इसके बाद दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया और दिसंबर 2018 में जोधपुर में कई दिनों तक चले भव्य समारोह में शादी रचाई। उनकी शादी ईसाई और हिंदू रीति-रिवाजों से संपन्न हुई थी।

गौशाला में गौ पूजन कर मनाई कृष्ण जन्माष्टमी

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(राजेश नीरस) सालीचौका। कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर ग्राम नयाखेड़ा स्थित गौशाला में गौ माता का पूजन कर कृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई गौशाला में सर्वप्रथम गौ माता को पुष्प मालाए पहनकर आरती की गई रक्षा सूत्र बांधे गए इसके पश्चात गौ माता गुड के लड्डू एव पुरी खिलाई गई इस अवसर पर गौशाला प्रबंधक संजय कुमार साहू पत्रकार राधारानी स्व सहायता समूह की अध्यक्ष मथुरा बाई रूपी बाई प्रमोद कुमार विजय यादव सतीश रझर आदि उपस्थित रहे

जगदीश सासानी बने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(राजेश नीरस) जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा नई नियुक्तियां की गई हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटैल की स्वीकृति के उपरांत जिला संगठन मंत्री दीवान शैलेन्द्र सिंह ने ब्लॉक कांग्रेस कार्यकारिणी को अनुमोदित किया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की सहमति से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सतीश सैनी ने कांग्रेस के निष्ठावान नेता पूर्व पार्षद जगदीश सासानी को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। श्री सासानी लंबे समय से कांग्रेस संगठन से जुड़े हुए हैं और सक्रिय रूप से पार्टी के लिए कार्य कर रहे हैं। उनकी इस नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं उनके शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाइयां दी हैं और आशा व्यक्त की है कि उनके अनुभव से संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

जिला स्तरीय शालेय स्केटिंग प्रतियोगिता आयोजित

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(राजेश नीरस) गत दिवस स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सत्र 2026-27 की जिला स्तरीय रोलर शालेय स्केटिंग प्रतियोगिता बालक एवं बालिका वर्ग का आयोजन डीईओ डॉ अनिल कुशवाहा, जिला क्रीड़ा एवं कल्याण निरीक्षक अनुज जैन के मार्गदर्शन में गाडरवारा के अशासकीय क्रेयान विद्यालय में किया गया। इस प्रतियोगिता में अंडर 11, 14, 17 एवं 19 आयु बालक/ बालिका वर्ग के करेली, साईखेड़ा, नरसिंहपुर एवं चाँवरपाठा ब्लॉक के छात्र एवं छात्राओं ने सहभागिता करते हुए अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रभावित किया। प्रतियोगिता उपरांत आगामी समय मे होने वाली संभाग स्तरीय स्पर्धा हेतु छात्र छात्राओं का चयन उनके अच्छे प्रदर्शन के आधार पर किया गया। इस आयोजन को संपन्न कराने में संस्था के डायरेक्टर संदीप उपाध्याय, दीपिका उपाध्याय, प्राचार्य डॉ वर्षा षिजू,विकासखंड खेल प्रभारी सत्यप्रकाश ढिमोले, अजय सोनी, अजीत उपाध्याय,आदित्य द्विवेदी, गौरव नेमा, गणेश यादव, शहजाद बेग, सिराज मोहम्मद,दसोदा गौरव,प्रीति ठाकुर आदि निर्णायक मंडल एवं खेल अधिकारियों की उल्लेखनीय भूमिका रही

बालरंग में विद्यार्थियों ने बिखेरे सांस्कृतिक रंग, लोकनृत्य में दिखाई अपनी प्रतिभा

बीटीआई स्कूल में आयोजित हुई विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(राजेश नीरस) गत दिवस जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाह के मार्गदर्शन, बीईओ सुश्री सीमा डोंगरे के निर्देशन एवं प्राचार्य श्रीमती सुनीता पटैल के नेतृत्व में स्थानीय पीएमश्री शासकीय बालक उ मा विद्यालय (बीटीआई) में बालरंग प्रतियोगिता 2026 अंतर्गत विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन में विकासखंड के विद्यालयों ने सहभागिता कर विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस आयोजन में छात्र छात्राओं ने भाषण, कविता पाठ, निबंध लेखन, संगीत, नृत्य, कव्वाली, प्रश्न मंच सहित अनेक विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन में निम्न प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया जिनमें प्रमुख रूप से निबंध प्रतियोगिता में कुमारी सिद्धि श्रीवास्तव कन्या शाला गाडरवारा, स्वरचित काव्य पाठ में प्रथम स्थान गगन रजक आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय गाडरवारा,पाठ पुस्तक आधारित कविता में प्रथम स्थान लक्ष्मी निधि रजक शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय गाडरवारा, प्रश्न मंच में प्रथम स्थान वंश केवट पीएम श्री बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गाडरवारा, तात्कालिक भाषण में मेघा सराठे कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गाडरवारा, सुगम संगीत में प्रथम स्थान विद्या मालवीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गाडरवारा, ढोलक वादन में प्रथम स्थान दीपेश छीपा पीएम श्री बीटीआई स्कूल गाडरवारा,लोकगीत में प्रथम स्थान कृष्ण द्विवेदी बीटीआई स्कूल गाडरवारा, लोक नृत्य में पूजा जाटव कन्या नवीन गाडरवारा,नृत्य नाटिका में चांदनी जाटव कन्या नवीन गाडरवारा, निबंध संस्कृत में नैतिक शर्मा आदर्श गाडरवारा,कब्बाली में विद्या मालवीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गाडरवारा ने प्राप्त किया। इसके अलावा दिव्यांग प्रतिभागियों में ढोलक वादन में सुमित रजक आदर्श गाडरवारा,चित्रकला में ईशान हुसैन पीएम श्री विद्यालय बीटीआई गाडरवारा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में राजेश दुबे, के के राजोरिया, पुष्पा बरहैया, शकुंतला मांझी,अर्चना नामदेव,ज्योति शर्मा योगेंद्र झरिया, रश्मि पाराशर, अर्चना दुबे, किरण अग्रवाल,सविता देवी मिश्रा,अलका कोरी,ज्योत्सना दुबे सुषमा तिवारी,शिल्पी गुप्ता,सरिता मालवीय आदि शिक्षकों ने सहयोग प्रदान किया

डीईओ ने प्राथमिक शिक्षकों को दिया नियुक्ति पत्र

साधना एक्सप्रेस रीवा

राज्य स्कूल शिक्षा सेवा अंतर्गत प्राथमिक शिक्षकों के पद पर कई शिक्षकों को नियुक्ति आदेश जारी किया है। उन्हें रीवा और मऊगंज में नियुक्ति के लिए डीईओ ने नियुक्ति पत्र प्रदान किया है। मऊगंज जिला में 141 प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति आदेश जारी किया गया। 193 रीवा में मऊगंज में विशेष शिक्षा के लिए 12 प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति की गई। इसी तरह रीवा जिला में 25 प्राथमिक शिक्षकों की विशेष शिक्षा में नियुक्ति की गई है। सभी को जिला शिक्षा अधिकारी ने नियुक्ति पत्र प्रदन किया है। इनकी नियुक्ति राज्य स्कूल शिक्षा सेवा शर्तें एवं भर्ती नियम 2018 एवं समय समय पर संशोधित भर्ती नियम के नियम 5/4 क के अनुसार कर्मचारी चयन मंडल मप्र भोपाल द्वारा प्राथमिक शिक्षक पद के लिए आयोजित शिक्षक चयन परीक्षा 2025 के परिणाम के आधार पर जारी सूची पर की गई है।

कामना आचार्य का प्रमोशन संचालक लोक शिक्षण बनी

साधना एक्सप्रेस रीवा

स्कूल शिक्षा विभाग में अपर संचालक के पद पर पदस्थ कामना आचार्य को संचालक के पद पर पदोन्नत किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने उनके प्रमोशन के आदेश जारी कर दिए। कामना को संचालक लोक् शिक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आदेश में साफ कर दिया गया है कि उनकी पदोन्नति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिकाओं के आदेश के अधीन होगी। बुधवार को जारी एक अन्य सरकारी आदेश में लोक शिक्षण संचालनालय में पदस्थ अपर संचालक रविंद्र सिंह को सौंपा गया स्कूल शिक्षा विभाग के ओएसडी का प्रभार वापस ले लिया गया है।

उन्हें 13 जुलाई को ओएसडी का प्रभार देते हुए मंत्रालय में समन्वय का काम दिया गया था। विभाग की उप सचिव मंजूषा विक्रांत राय ने आदेश जारी करते हुए लोक शिक्षण संचालनायल में पदस्थ संयुक्त संचालक अरविंद चौरगड़े को स्कूल शिक्षा विभाग के ओएसडी का प्रभार दिया है।

डेढ़ लाख शिक्षक है टीईटी के दायरे में, ईएसबी में आवेदन की कल आखिरी तारीख, शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए सिर्फ 2575 आवेदन

साधना एक्सप्रेस रीवा

शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी)। के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने में अब कुछ ही घंटे बचे हैं। पात्रता परीक्षा के दायरे में आने वाले बताए जा रहे करीब डेढ़ लाख शिक्षकों में से अब तक सिर्फ 2575 ने आवेदन किया है। 21 अगस्त से शुरू हुई आवेदन ईएसबी ने स्कूल शिक्षा विभाग के प्रस्ताव पर 21 अगस्त से 4 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन मांग हैं। परीक्षा 12 अक्टूबर 2026 से आयोजित की जाएगी, जबकि अभ्यर्थी 9 सितंबर तक अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे।

1998 से 2009 के बीच नियुक्त शिक्षकों की परीक्षा।

ईएसबी की नियम पुस्तिका के अनुसार वर्ष 1998 से 2009 के बीच नियुक्त प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के संबंधित शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा अनिवार्य की गई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार शिक्षकों को 31 अगस्त 2028 तक पात्रता परीक्षा पास करनी होगी। नियम पुस्तिका में परीक्षा देने वाले पदों का उल्लेख किया गया है, लेकिन परीक्षा के दायरे में आने वाले शिक्षकों के नाम और संख्या अब तक स्पष्ट नहीं की गई है।

एक प्रश्न-पत्र की फीस 1000 रुपए।

परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए एक प्रश्न-पत्र की फीस 1000 रुपए तय की गई है। इसके अलावा एमपी ऑनलाइन कियोस्क से आवेदन करने पर 60 रुपए और रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर से आवेदन करने पर 20 रुपए पोर्टल शुल्क देना होगा। आवेदन में पहली बार संशोधन के लिए 20 रुपए और अंतिम चरण में संशोधन के लिए 40 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया है। शिक्षक संगठनों को शुल्क पर आपति है।

पद स्थायी कराने 5 सितंबर को प्रदर्शन करेंगे अतिथि शिक्षक।

मध्य प्रदेश के हजारों अतिथि शिक्षक राजधानी के शाहजहानी पार्क में शिक्षक दिवस (5 सितंबर) के दिन प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शन के दौरान अतिथि शिक्षक तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अतिथि शिक्षकों का वार्षिक अनुबंध करने और उन्हें बेरोजगार नहीं वे सीधी भर्ती में बोनस अंक देकर स्थायी रोजगार देने के सरकार के फैसले की भी याद दिलाएंगे। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने कहा कि 2 सितंबर 2023 को मध्य प्रदेश सरकार नेरीवा के लाल परेड मैदान में अतिथि शिक्षक पंचायत आयोजित की थी। इसमें अतिथि शिक्षकों के हित में कई घोषणाएं की गई थीं। केंद्रीय मंत्री और तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अतिथि शिक्षकों का वार्षिक अनुबंध करने, बीच सत्र में अतिथि शिक्षकों को बेरोजगार न करने, गुरुजियों की तरह नीति बनाकर नियमित करने और सीधी भर्ती में बोनस अंक देने का वादा किया था।

भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराम से जुड़े सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करेगी सरकारः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जानापाव वह गौरवशाली धरती है, जहां भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि परशुराम से सुदर्शन चक्र प्राप्त किया था। यह पवित्र और गौरवशाली स्थान है। महर्षि परशुराम की जन्मस्थली और साढ़े सात नदियों के उद्गम वाले इस पावन स्थल पर जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण करना सभी का सौभाग्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को इंदौर जिले के जानापाव में महाकाल लोक की तर्ज पर विकसित किए जाने वाले भगवान श्री परशुराम लोक एवं भगवान श्रीकृष्ण लोक के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण को महर्षि परशुराम द्वारा प्रदान किया गया सुदर्शन चक्र उनके जीवन में धर्म और सत्य की रक्षा का महत्वपूर्ण अस्त्र बना। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में सत्य, धर्म, पराक्रम और पुरुषार्थ का संदेश दिया। शिशुपाल प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी बुआ को दिए वचन के अनुसार शिशुपाल की सौ गलतियों तक क्षमा किया और इसके बाद धर्म की रक्षा के लिए उसका अंत किया।

5000 वर्ष पुराने गौरवशाली इतिहास को सामने लाएगी सरकार - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम से गहरा संबंध रहा है। सरकार इस लगभग 5000 वर्ष पुराने गौरवशाली इतिहास को फिर से सामने लाने के लिए कार्य कर रही है। भगवान श्रीकृष्ण ने मध्यप्रदेश में जहाँ-जहाँ अपने चरण रखे, उन सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा। इसी प्रकार भगवान श्रीराम के चरण जहाँ-जहाँ पड़े, उन स्थलों को भी धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट धाम, जानापाव, श्रीराम के वनगमन से जुड़े आश्रम और अन्य पौराणिक स्थलों के साथ भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को भी विकसित करने की योजना है। भगवान श्रीकृष्ण के मध्यप्रदेश से संबंध को दर्शाने वाले स्थलों में रुक्मिणी हरण से जुड़े क्षेत्र तथा धार जिले में हुए युद्ध से संबंधित स्थानों को भी विकसित कर उनके गौरवशाली इतिहास को जीवंत किया जाएगा। महाकाल लोक की तर्ज पर 17 करोड़ रूपये से विकसित होगा परशुराम लोक और श्रीकृष्ण लोक - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में बड़ा परिवर्तन आया है। महाकाल लोक के विकास के बाद उज्जैन में श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। धार्मिक पर्यटन बढ़ने से स्थानीय लोगों को रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसी दिशा में जानापाव को भी देश के प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र और आध्यात्मिक चेतना पीठ के रूप में विकसित किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698